



संक्षिप्त

समाचार

प्रथम दिन

मां शैलपुत्री



मां शैलपुत्री को पर्वतराज हिमालय की पुत्री और मां दुर्गा का प्रथम स्वरूप माना जाता है। इनके दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल सुशोभित है। वे वृषभ पर सवार रहती हैं। इनकी पूजा से जीवन में स्थिरता, शक्ति, साहस और सकारात्मकता प्राप्त होने की मान्यता है।

फ्लाईदुबई कॉकपिट अटैक की जांच करेगी एनआईए

एटी हाइजैकिंग एवट में

एफआईआर दर्ज की, जल्द जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल इन्वेस्टिगेटिंग एजेंसी ने फ्लाईदुबई फ्लाइट में पायलट पर हुए हमले को लेकर एफआईआर दर्ज की है। एफआईआर एटी-हाइजैकिंग एवट, 2016 की धारा 3 और बीएनएस की धाराओं के तहत दर्ज हुई है। इन धाराओं के जरिए संभावित लोन-वुल्फ आतंकी मंशा, साजिश और कटटरपंथी नेटवर्क की जांच होगी। एनआईए हमले के पीछे बड़ी साजिश की जांच करेगी। इस फ्लाइट के दौरान भारतीय फेडरल रिमोट मॉनिटर पर हमला हुआ था। दुबई से तेल अवीव जा रहे विमान में ओमानी पायलट ने फेडरल पर अटैक किया और विमान को गिराने की कोशिश की। जांच में यह भी देखा जाएगा



कि क्या हमले का संबंध भारत पर संभावित हमले से था। एजेंसी यह भी पता लगाएगी कि पूरी साजिश कैसे तैयार की गई। न्यूज एजेंसी के मुताबिक एनआईए विमान को हाइजैक करने की कोशिश के पीछे की बड़ी साजिश की जांच करना चाहती है। दुबई में इलाज कराया रहे हैं फेडरल रिमोट - भारतीय पायलट रिमोट मॉनिटर फिलहाल दुबई में हैं। बुधवार को फ्लाईदुबई की दुबई से तेल अवीव जा रही उड़ान में उनके सह-पायलट ने कॉकपिट के अंदर उभर कर चाकू से हमला किया। गंभीर चोटों के बावजूद रिमोट मॉनिटर ने कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया। इसके बाद यात्रियों और कू मंत्रियों ने हस्तक्षेप किया। इससे बड़ी दुर्घटना टल गई।

रुपए की गिरावट

रोकने के लिए ऐक्टिव

हुआ आरबीआई

सरकारी तेल कंपनियों के लिए

खोली स्पेशल डॉलर विंडो खोली

मुंबई (एजेंसी)। डॉलर के मुकाबले लगातार कमजोर होते भारतीय रुपए को संभालने और मनी मार्केट में उतार-चढ़ाव पर लगाम लगाने के लिए आरबीआई ने दो फैसले किए हैं। आरबीआई ने सरकारी तेल कंपनियों की डॉलर की डेली जरूरतों को पूरा करने के लिए एक स्पेशल डॉलर विंडो शुरू की है। इसके अलावा रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने फॉरिक्स डेविटिव ट्रेडिंग से जुड़े नियमों में भी सख्ती कर दी है। बाजार



के जानकारों का मानना है कि इन फैसलों से रुपए को तुरंत थोड़ी राहत मिलेगी, लेकिन गिरावट के लंबे ट्रेंड को पूरी तरह पलटना मुश्किल होगा। शुक्रवार, 9 अक्टूबर को डॉलर के मुकाबले रुपया 96.73 के स्तर पर बंद हुआ था, जो मई में दर्ज इसके 96.96 के ऑल-टाइम-लो के काफी करीब है। कैलेंडर ईयर 2026 में अब तक रुपया 7 फीसदी से ज्यादा और चालू वित्त वर्ष में करीब 3.5 फीसदी गिर चुका है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, मजबूत डॉलर और विदेशी निवेश के सुस्त होने से रुपए पर लगातार दबाव बनाया हुआ है। आरबीआई रुपए को 97 के स्तर से ऊपर जाने से रोकना चाहता है।

सीजेपी के दिल्ली प्रोटेस्ट पर जमकर मचा बवाल

जंतर-मंतर जाने के दौरान ममता-केजरीवाल गिरफ्तार

प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़ी, युवक का सिर फटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए जा रहे पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और ममता बनर्जी को पुलिस ने हिरासत में लिया। जंतर-मंतर, कर्नाट प्लेस और मिंटो ब्रिज समेत अलग-अलग इलाकों से अब तक 1,000 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को भी कस्टडी में लिया जा चुका है। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग भी तोड़ी। पुलिस ने उन्हें खदेड़कर हिरासत में लिया। इस दौरान एक



प्रदर्शनकारी का सिर भी फट गया। इमतिआज अली मार्ग पर आकाशवाणी भवन के पास प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड पार कर कर पुलिस पर पत्थर फेंके, जिससे दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। इससे पहले सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके को मुंबई से दिल्ली पहुंची फ्लाइट के अंदर से ही हिरासत में ले लिया गया। उनके साथ सीजेपी नेता सौरव दास और आशुतोष रांका को भी पुलिस ले गई।

ममता ने गाया-जागो दुर्गा तुमी जागो...

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री को पार्टी नेता डोला सेन के साथ हिरासत में लिया गया है। न्यूज एजेंसी आईएनएस के मुताबिक दिल्ली पुलिस ने ममता बनर्जी को तब हिरासत में लिया, जब वह साइथ एवेन्यू बस स्टॉप पर धरना दे रही थीं। इसी दौरान ममता बनर्जी ने विरोध प्रदर्शन के तौर पर महिषासुर मर्दिनी के छत्र भी गुनगुनाती सुनी गई हैं। संयोग से शनिवार को ही महालया रहा और रविवार से दुर्गा पूजा।

संकट के समय खुद के हथियार ही आते हैं काम

राजनाथ सिंह बोले-इसलिए हमने 'आत्मनिर्भरता' को अपनाया

धुव, रुद्र, प्रचंड से लेकर आकाश एयर डिफेंस तक का जिक्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को राजस्थान के एयर फोर्स स्टेशन जोधपुर में मल्टीनेशनल एयर एक्सरसाइज तंत्र शक्ति 2026 के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान राजनाथ ने कहा कि हमारा मकसद सिर्फ उपकरण बनाना नहीं है। हमारा मकसद डिजाइन करना, इन्वोल्वेशन करना, इंटीग्रेट करना



और डिलीवर करना है। तेजस और बनाने की हमारी बढ़ती फाइटर एयरक्राफ्ट जैसे स्वदेशी क्षमता, जिसमें ध्रुव, रुद्र और प्रोग्राम, हेलीकॉप्टर डिजाइन प्रचंड आदि शामिल हैं।

पीएम मोदी की जमकर तारीफ

राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने कई साल पहले ही यह समझ लिया था कि आने वाला समय राष्ट्रीय सुरक्षा की मजबूती की कई अप्रत्याशित तरीकों से परीक्षा लेगा। हमने आने वाली उथल-पुथल और रुकावटों का पहले ही अंदाजा लगा लिया था और उनसे खुद को सुरक्षित रखने का फैसला किया था। यह विजन हमारी राष्ट्रीय ताकत की नींव है।

भारतीय वायु

सेना अब एक

आधुनिक सेना

राजनाथ सिंह ने कहा कि आजादी के समय सीमित संसाधनों के साथ काम करने वाली भारतीय वायु सेना अब एक आधुनिक और सक्षम सेना बन चुकी है। आज इसके पास एडवांस्ड एयरक्राफ्ट, सटीक निशाना लगाने वाले हथियार, अत्याधुनिक सेंसर, इंटीग्रेटेड नेटवर्क और लगातार बेहतर होती स्वदेशी तकनीकें मौजूद हैं। जब भी कोई भारतीय विमान आसमान में उड़ान भरता है, तो वह सिर्फ एक मशीन की उड़ान नहीं होती; वह व्यापक है।

आत्मनिर्भर

भारत की चर्चा

रक्षा मंत्री ने कहा कि मुझे लगता है कि तरंग शक्ति भारत की हवाई ताकत के क्षेत्र में शानदार यात्रा पर विचार करने का एक उपयुक्त अवसर है। हमने आधुनिक शासन-कला की एक कठोर सच्चाई को समझा। संकट के समय, कोई भी देश लंबे समय तक चलने वाले युद्ध तब तक नहीं लड़ सकता जब तक कि वह अपने हथियार और जरूरी तकनीकें खुद बनाने में सक्षम न हो। इसी वजह से हमने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को अपनी राष्ट्रीय नीति के तौर पर अपनाया।

अबकी हाथी पर सवार होकर आएंगी मां जगदंबा

शक्ति उपासना का पर्व शारदीय नवरात्रि आज से

नई दिल्ली (एजेंसी)। कल रविवार 11 अक्टूबर से शारदीय नवरात्रि शुरू हो रही है। वैसे तो शास्त्रों में मां दुर्गा का वाहन सिंह बताया गया है, नवरात्रि के संबंध में मान्यता है कि इस उत्सव में देवी मां अलग-अलग वाहनों पर सवार होकर धरती पर आती हैं। इस साल देवी मां हाथी पर सवार होकर आएंगी। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा कहते हैं, देवी मां के वाहन के संबंध में देवी भागवत में बताया गया है।



देवी मां के अलग-अलग वाहनों का असर भी अलग-अलग होता है। देवी भागवत में लिखा है कि- शशिशूर्यं गजारूढां शनिभूमौ तुरंगमे। गुरो शुक्रं चटोलायां बुधे नौका प्रकीर्तितता। इस श्लोक का अर्थ यह है कि अगर सोमवार या रविवार को नवरात्रि की प्रथम पूजा यानी कलश स्थापना होती है, तो मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आती हैं। शनिवार या मंगलवार को नवरात्रि

शुरू होने पर माता का वाहन घोड़ा होता है। गुरुवार या शुक्रवार को नवरात्रि शुरू हो, तो माता डोली में बैठकर आती हैं। जब बुधवार से नवरात्रि शुरू होती है, तब माता दुर्गा नाव पर सवार होकर आती हैं। उसके अनुसार सालभर होने वाली घटनाओं का भी आकलन किया जाता है। देवी भागवत में लिखा है कि- ततफलम गजे च जलदा देवी क्षेत्र भंग स्तुरंगमे। नौकायां सर्वसिद्धि स्या ढोलायां मरणधुक्वम।। इस श्लोक में देवी मां के वाहन के अनुसार अलग-अलग फल बताए गए हैं। देवी मां जब हाथी पर सवार होकर आती हैं, तब इसे बहुत शुभ माना जाता है। ऐसी स्थिति में सुख-समृद्धि बढ़ती है और पानी ज्यादा बरसता है। देवी घोड़े पर सवार होकर आती हैं, तो प्राकृतिक आपदा आने का भय रहता है, पड़ोसी देशों से युद्ध की आशंका बढ़ जाती है। देवी नाव पर सवार होकर आती हैं, तो सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

मां शारदा देवी के भक्तों को रेलवे का तोहफा

मैहर स्टेशन पर पांच मिनट रुकेगी 15 जोड़ी एक्सप्रेस ट्रेनें



गुवाहाटी एक्सप्रेस, सुरत-छपरा ताप्ती गंगा एक्सप्रेस अप और डाउन दोनों दिशा में रुकेगी। यानी श्रद्धालुओं को मैहर से सीधे बोडिंग की सुविधा मिलेगी।

राजधानी को बंधक बनाने की कोशिश हुई नाकाम

जंतर-मंतर प्रोटेस्ट पर बोले सबित पात्रा

राहुल गांधी को बताया नालायक नेता



भीड़तंत्र पर लोकतंत्र की जीत हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी और लेफ्ट के छत्र संगठनों की ओर से जंतर मंतर पर प्रदर्शन पर बीजेपी ने रिएक्ट किया है। बीजेपी प्रवक्ता सबित पात्रा ने कहा कि जंतर-मंतर पर जो हो रहा है, टीवी पर जो दिख रहा है और सोशल मीडिया के कुछ हैडल पर जंतर-मंतर को दिखाया जा रहा है, वो भारत की कहानी नहीं है। सबित पात्रा ने कहा कि भारत शांत है, भारत सुशासन के साथ आगे बढ़ रहा है मगर दिल्ली के एक कोने में कुछ अराजक तत्व जिस तरह से अराजकता कर रहे हैं, वो भी कुछ दिनों से हम देख रहे हैं।

बीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि राहुल चाहे थे दिल्ली की सड़कों पर लड़ाई हो मगर आज भीड़तंत्र पर लोकतंत्र की जीत हुई है। जिस तरह लोकतंत्र ने आज दिल्ली में प्रदर्शन किया है और जिस तरह से सारा विषय कंट्रोल में हैं, मैं यह दोहराना चाहता हूँ कि अराजकतावादी विफल हो गए और उनका यह कार्यक्रम नहीं चलने वाला है। सबित पात्रा ने कहा कि कुछ दिनों पहले कांग्रेस पार्टी ने एक बंद बुलाया था। कांग्रेस पार्टी का प्रदर्शन था। आज कुछ दूसरे तत्वों ने प्रदर्शन किया है।

हरिद्वार में विजिलेंस का बड़ा एक्शन

10 हजार रुपये की कथित रिश्वत लेते महिला ASI गिरफ्तार

हरिद्वार। उत्तराखंड में भ्रष्टाचार के खिलाफ सतर्कता विभाग (विजिलेंस) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हरिद्वार में तैनात एक महिला सहायक उपनिरीक्षक (ASI) को कथित तौर पर 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला पुलिसकर्मी की पहचान सोनिया के रूप में हुई है, जो रानीपुर कोतवाली में तैनात बताई जा रही हैं। विजिलेंस की इस कार्रवाई के बाद पुलिस विभाग में हलचल मच गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मामला दो पक्षों के बीच चल रहे लेनदेन विवाद से जुड़ा है। आरोप है कि महिला अरक विवाद का निपटारा करने और दोनों पक्षों के बीच समझौता करवाने के बदले शिकायतकर्ता से 10 हजार रुपये की मांग कर रही थी। शिकायतकर्ता ने इसकी सूचना भ्रष्टाचार के खिलाफ शिकायत दर्ज करने के लिए जारी टेल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1064 पर दी थी।

शिकायत की जांच के बाद विजिलेंस ने बिछाया जाल

शिकायत मिलने के बाद सतर्कता विभाग ने मामले की जांच की। अधिकारियों के अनुसार, शिकायत की पुष्टि होने के बाद आरोपी महिला पुलिसकर्मी को पकड़ने के लिए ट्रेप की योजना तैयार की गई। पुलिस अधीक्षक, सतर्कता सेक्टर



देहरादून के निदेश पर टीम गठित कर नियमानुसार कार्रवाई शुरू की गई। बताया गया कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज करने के बाद विजिलेंस टीम ने शिकायतकर्ता के माध्यम से कार्रवाई को अंजाम देने की तैयारी की। शनिवार, 10 अक्टूबर 2026 को तय योजना के अनुसार टीम ने हरिद्वार में जाल बिछाया। रकम लेते ही विजिलेंस टीम ने की कार्रवाई आरोप है कि महिला अरक ने शिकायतकर्ता को कथित रिश्वत की रकम लेकर निर्धारित स्थान पर बुलाया था। जैसे ही 10 हजार रुपये दिए जाने की कार्रवाई हुई, विजिलेंस टीम ने मौके पर पहुंचकर महिला पुलिसकर्मी को गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई को भ्रष्टाचार के खिलाफ सतर्कता विभाग की महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है। हालांकि, मामले में आरोपी के खिलाफ लगाए गए आरोपों की अंतिम पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के तहत हो

होगी।

रानीपुर कोतवाली में तैनाती, शहर कोतवाली क्षेत्र में गिरफ्तारी

जानकारी के मुताबिक, आरोपी महिला अरक की तैनाती रानीपुर कोतवाली में है, जबकि उसे शहर कोतवाली क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। बताया गया है कि सर्वप्रति अमावस्या के अवसर पर उसकी ड्यूटी शहर कोतवाली क्षेत्र में लगाई गई थी। इसी दौरान शिकायतकर्ता की कथित तौर पर रिश्वत की रकम लेकर बुलाया गया था।

भ्रष्टाचार के खिलाफ विजिलेंस की कार्रवाई से पुलिस महकमे में चर्चा

विजिलेंस की ओर से गिरफ्तारी के संबंध में प्रेस नोट जारी किए जाने की जानकारी सामने आई है। कार्रवाई के बाद पुलिस विभाग में यह मामला चर्चा का विषय बन गया है। फिलहाल आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है। भ्रष्टाचार के मामलों में शिकायत मिलने पर सतर्कता विभाग द्वारा की जाने वाली ऐसी कार्रवाई सरकारी व्यवस्था में जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जाती है। मामले में आगे की जांच और कानूनी प्रक्रिया के बाद ही सभी तथ्यों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सेवा संकल्प अभियान

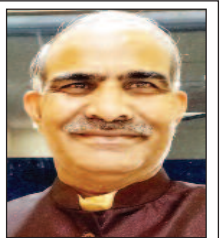
सेवा की कहानी: खेती की तैयारी में महेन्द्र को मिल रहा संबल, सम्मान निधि से खाद-बीज की व्यवस्था हुई आसान
बकालो भाटापारा के किसान महेन्द्र कुमार प्रजापति को पीएम– किसान सम्मान निधि से सालाना मिल रहे 6 हजार रुपए
खेती के जरूरी आदानों की खरीदी में मिल रही मदद, किसान ने कहा–खाद और बीज लेने में होती है सुविधा खेती में बेहतर उत्पादन के लिए समय पर खाद और बीज की उपलब्धता किसान के लिए महत्वपूर्ण होती है। अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत बकालो भाटापारा के किसान महेन्द्र कुमार प्रजापति के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता खेती की इन्हीं जरूरतों को पूरा करने में मददगार बन रही है। योजना से उन्हें सालाना मिलने वाले 6 हजार रुपए का उपयोग खाद और बीज की खरीदी में हो रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पात्र किसान परिवारों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपए की आर्थिक सहायता सीधे बैंक खाते में दी जाती है। यह राशि तीन समान किस्तों में प्रदान की जाती है। योजना का उद्देश्य किसानों की कृषि संबंधी आदानों सहित वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोग करना है।
खेती के खर्च में योजना से मिल रही राहत
महेन्द्र कुमार प्रजापति बताते हैं कि खेती के समय खाद और बीज की व्यवस्था के लिए राशि की जरूरत पड़ती है। पीएम–किसान सम्मान निधि से मिलने वाली सहायता से इन आवश्यक कृषि सामग्रियों की खरीदी में उन्हें सुविधा होती है। इससे खेती की तैयारी के समय आवश्यक संसाधन जुटाने में आर्थिक सहयोग मिल जाता है।
महेन्द्र कहते हैं, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के साल में जो 6 हजार रुपए मिलते हैं, उससे हम लोगों को खाद और बीज लेने में बहुत सुविधा हो जाती है। यह राशि खेती के काम में हमारे लिए मददगार है।

किसान के खाते तक सीधे पहुंच रही सहायता
पीएम–किसान सम्मान निधि के अंतर्गत पात्र किसानों को सहायता राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से बैंक खाते में उपलब्ध कराई जाती है। महेन्द्र के लिए यह सहायता खेती की जरूरतों, विशेषकर खाद और बीज की व्यवस्था में उपयोगी साबित हो रही है।
योजना से मिल रही सहायता पर महेन्द्र कुमार प्रजापति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने किसानों के हित में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को भी धन्यवाद दिया।

चितन-मनन

सुखी रहने के लिए तैं धर्म की शरण!

दुनिया का हर व्यक्ति केवल सुख ही चाहता है। दुख से सब दूर भागते हैं। यदि हमें सुखी रहना है तो सबसे पहले धर्म से जुड़ना होगा। किसी के मन को दुखाना भी पाप है। भागवैडू भरी ज़िंदगी में आज हर व्यक्ति विवेक नहीं रख पाता है। इसलिए पाप बंध को बांधता चला जाता है और पाप बंधने के कारण सुखी नहीं हो पाता। इसलिए सुखी रहने के लिए धर्म की शरण में जाकर धर्म के मर्म को समझना होगा। धर्म की शुरूआत व्यक्ति को सबसे पहले अपने घर से ही करना चाहिए। यदि हम विवेकपूर्ण जीवन जिएंगे तो पाप से बच पाएंगे और जो पाप से बच पाएंगा, वहीं सही मायनों में धर्म से भी जुड़ पाएंगा। मयादांओं को भंग करना पाप की श्रेणी में आता है। इसी तरह किसी के मन को दुखाना भी पाप है। हमें अपने जीवन काल में सुख प्राप्त के लिए जिनवाणी को आचरण में उतारना होगा, क्योंकि जिनवाणी अमृत रूप है। हमारा सौभाग्य है कि हमें जिनवाणी श्रवण का सुअवसर मिला है। जीवन में यदि सुख प्राप्त करना है तो जिनवाणी को आचरण में उतारना होगा।
धर्म आधारित जीवन जीते हुए ही मनुष्य वैराग्य की ओर अग्रसर हो सकता है। संपूर्ण जीवन लोभ, मोह, मद, मान और माया में ही व्यतीत हो जाता है और प्रभु आराधना का समय ही नहीं मिल पाता तथा व्यक्ति संसार से प्रस्थान भी कर जाता है। संसार में रहते हुए वैराग्य के प्रसंग जीवन में आते हैं। फिर भी व्यक्ति नहीं होती। इसलिए निरंतर साधना व स्वाध्याय करते रहना चाहिए। सुखी और सफल जीवन के लिए भौतिक सुख नहीं, आध्यात्मिक सुख ज्यादा जरूरी है, जो वैराग्य से ही प्राप्त हो सकता है। संसार के सभी जीव सुख चाहते हैं। सभी लोग सुख प्राप्त करने के लिए ही पुरुषार्थ करते हैं, लेकिन सच्चा सुख कहा है, इसका हमें ध्यान नहीं है। जो जीवात्मा अरिहंत परमात्मा की वाणी को आत्मसात करती है, उसकी सभी प्रकार की आधि-व्याधि नष्ट हो जाती है। जिसने आत्मस्वरूप की पहचान कर ली है, वही धर्मध्यान में लीन होगा। हमारे आर्तध्यान और रौद्रध्यान से जीवन भटक जाता है। धर्मध्यान को अपनाकर व्यक्ति प्रत्येक परिस्थिति में भी समभाव को धारण कर सकता है। आज धर्मध्यान की जाह्न धन का ध्यान ज्यादा फैला जा रहा है। पैसा साधन जरूर है, पर वह साध्य नहीं है। विडंबना यह है कि आज व्यक्ति धन को ही साध्य मानने की भूल कर रहा है।



डॉ. श्रीगोपाल नारसन

नवरात्र का पर्व देवी पूजा के विभिन्न रूपों की साधना का अवसर है। जिसमें आस्था, लोकसंस्कृति, शिल्प कला और बच्चों में कलात्मक गुणों का समावेश करने की पुरातन परम्परा है इन्हीं में से एक है,नवरात्र पर देवी रूप में सांझी की स्थापना और फिर पूरे नवरात्र सांझी की लोकगीतों के साथ पूजा स्तुति रूपी इन लोकगीतों में, लिल्ली धोड़ी रे कौन फिरे सवार, मै था दुलीचन्द बोबो हे, सांझी का लेवणहार। बोबो थोड़ा पिला दे हे तेरा बीर प्यासा जाए। नवरात्रों पर हर घर में यह लोकगीत पुराने समय से गाया जाता है।सांझी की आरती के रूप में सुबह शाम गाये जाने वाले इस लोग गीत में कही न कही एक संदेश है,साथ ही भारतीय संस्कृति की अनूठी झलक भी इस गीत में देखने को मिलती है। श्राद्ध के अन्तिम दिन अमावस्या को देवी रूप में मिटटी से बनी मां सांझी को प्रतिष्ठित कर मां सांझी की पूरे नवरात्रों तक पूजा अर्चना की जाती है। पहले गांव हो या शहर, घर लड़कियां कच्ची मिट्टी से



शेता गoyal

बाल विवाह मिटेगा, तभी बेटियों का भविष्य खिलेगा...
किसी समाज की प्रगति का वास्तविक आकलन उसकी ऊंची इमारतों, आर्थिक समृद्धि अथवा तकनीकी उपलब्धियों से ही नहीं, इस बात से भी होता है कि वहां जन्म लेने वाली प्रत्येक लड़की को अपने सपने चुनने, उन्हें पूरा करने और अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेने की कितनी स्वतंत्रता प्राप्त है। विडंबना है कि 21वीं सदी में विज्ञान और तकनीक नई ऊंचाइयों छू रहे हैं, महिलाएं अंतरिक्ष से लेकर संसद तक अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं लेकिन दुनिया के अनेक हिस्सों में लाखों लड़कियों का बचपन आज भी बाल विवाह जैसी कुप्रथा की भेंट चढ़ रहा है। उनके हाथों में किताबों के बजाय घरेलू जिम्मेदारियां थमा दी जाती हैं और उनके सपनों को सामाजिक परंपराओं की दुहाई देकर समय से आधुनिक लड़कियों के अधिकारों में निवेश करें!'' यह संदेश स्पष्ट करता है कि बालिकाओं के सामने मौजूद चुनौतियों का समाधान केवल कानून बनाने अथवा जागरूकता अभियान चलाने से नहीं होगा। इसके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा, कौशल विकास और आर्थिक स्वतंत्रता में निरंतर निवेश करना होगा। संयुक्त राष्ट्र और यूनिसेफ ने इस वर्ष लड़कियों की आवाज, नेतृत्व तथा अपने भविष्य के बारे में निर्णय लेने के अधिकार को

नवरात्र पर घर घर मे होती है साझी पूजा

नई नई डिजाईन व नये नये साज श्रंगार के साथ सांझी तैयार करती थी। सांझी के साथ चांद तारे से लेकर कई आकृतियां सजाई जाती थी। जो शिल्पकला का अदभुत नमूना होता है।
श्राद्ध पक्ष आते ही सांझी बनाने का सिलसिला शुरू हो जाता है और नवरात्र से एक दिन पहले गोबर से चिपकाकर दिवारों पर सांझी लगाई जाती है।समय के साथ सांझी भी हार्टेक हो गई है। अब सांझी घरो में बनाने के बजाए बाजार से खरीदकर लगाई जाती है।एक सांझी 100 रुपए से 500 रुपए तक आसानी से मिल जाती है। ऐसे में सांझी को घर में बनाने की परम्परा अब खत्म प्रायः हो गई है।जिससे घर की लड़कियां सांझी बनाने की शिल्पकला से वंचित हो गई है। एक बोध कथा के अनुसार, सांझी एक गरीब परिवार में जन्मी एक ऐसी लड़की थी, जिसे ससुराल भी गरीब ही मिली। ससुराल में सांझी को कई झूठे इन्जाम और ताने सहन करने पड़ते थे। यानि सांझी को ससुराल में प्रताड़ित किया गया। सांझी को मायके लिवाने जब उसका भाई दुलीचन्द उसकी ससुराल आया तो उससे सांझी की पीडा देखी नही गई। हद तो तब हो गई जब ससुराल वालों ने सांझी को उसके भाई के साथ भेजने से इंकार कर दिया।सांझी जिन घर अड गई और भाई दुलीचन्द के साथ मायके चली गई । जहां पहुंचने पर सांझी की आरती उतारकर पूरे गांव ने स्वागत किया। सांझी के मायके में स्वागत के दौरान चना जिसे चाब कहा जाता है,का प्रसाद बाटा गया । तभी से यह पर्व मनाने और पर्व पर चाब के रूप में भीगे हुए चने बांटने की परम्परा है।
राधा बल्लभ संप्रदाय के अनुयायी सांझी को राधा कृष्ण

की प्रेम भक्ति के रूप व्याख्याित करते है तो कही कही सांझी की पूजा 16 दिनों तक किये जाने की भी परम्परा है। लोक कथाओं के साथ साथ लोक गीतों में कालजयी सांझी की कथा सहज ही समझ में आ जाती है। सांझी की आरती सुबह शाम करते समय प्रार्थना के रूप में जो लोक गीत गाए जाते है उन लोक गीतों की एक बानगी देखिए, चाब दे री चाब दे सांझी की मां चाब दे , तेरी सांझी जीवे चाब दे । इसी तरह आरता री आरता सांझी मां आरता । गाकर सांझी मां की पूजा की जाती है। इसी सांझी मां की प्रतिमा के सामने सांझी स्थापना के अगले दिन कच्ची मिट्टी में जौ बोये जाते है। प्रतिदिन सुबह शाम सांझी को स्नान कराते समय व भोग लगाते समय इन बोये गए जौ में नियमित पानी छिड़कने से जौ अंकुरित होकर पोधा बनने लगता है जिसे नोराते कहते है। चूँकि दशहरे तक ये नोराते काफी बड़े हो जाते है इस लिए इन्ही नोरातों से दशहरे की पूजाकर कर बहने अपने भाईयों के कानो पर नोराते रखकर उनकी दिधारुं की कामना करती है और बदले में भाई अपनी बहन को संगीत देता है। हांलांकि सांझी प्रतिमा को दशहरे से एक दिन पूर्व ही श्राद्धभाव से उतारकर किसी दरिया में विसर्जित कर दिया जाता है।घर की लड़किया सांझी प्रतिमा को विसर्जित करते समय उदास भी होती है क्योंकि उन्होने सांझी की प्रतिमा को बड़े परिश्रम व उत्साह से बनाया था। परन्तु उन्हे यह ढाँढस बंधाकर कि अगले साल फिर सांझी मां आएंगी और उन्हे फिर से सांझी की एक अच्छी सी प्रतिमा बनाने का अवसर मिलेगा, लड़कियों को मना लिया जाता है।समयचु लड़कियों में सांझी बनाने के नाम पर उनकी शिल्पकला प्रदर्शित करने का नवरात्र एक अच्छा अवसर



है। जिसमें कन्या की पूजा के साथ ही स्त्री शक्ति सम्मान के रूप में मां दुर्गा का भावपूर्ण स्मरण किया जाता है।और श्रद्धालु पूरे नवरात्र उपवास रखकर मां सांझी व मां दुर्गा की पूजा अर्चना करते है। साथ ही नन्ही पुन्नी बच्चियों को भोजन कराकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। है न भारतीय संस्कृति की यह अनूठी परम्परा ,जहां आधी दुनिया यानि स्त्री जाति के सम्मान का एक बड़ा अवसर है। शास्त्रों में भी उल्लेख मिलता है कि जहां नारी का सम्मान होता है वहां ईश्वर वास करते है और जहां ईश्वर वास करते है वह स्थान स्वर्ग बन जाता है।तो आइए इस धरा को भी स्वर्ग बनाए कन्या भ्रूण हत्या होने न दे,बेटी के जन्म पर फक्र करे और उन्हें बेटी के समान पोषण व संरक्षण दे।तभी नवरात्र की सार्थकता है।
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

बेटियों को बचपन, अधिकार और उड़ान देने का समय

विशेष महत्व दिया है। बाल विवाह वस्तुतः बचपन, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वतंत्रता का एक साथ हनन है। कम उम्र में विवाह होने से लड़कियों की पढ़ाई छूटने, कम उम्र में गर्भधारण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं, घरेलू हिंसा और आर्थिक निर्भरता का जोखिम बढ़ सकता है। इससे उनका व्यक्ति विकास बाधित होता है और निर्णय लेने की क्षमता सीमित रह जाती है। गरीबी, दहेज की चिंता, असुरक्षा, सामाजिक प्रतियोगिता की गलत धारणाएं और पितृसत्तात्मक मानसिकता इस कुप्रथा को बनाए रखने में भूमिका निभाती है। कई परिवार आर्थिक कठिनाइयों से छूटकारा पाने अथवा लड़की की सुरक्षा सुनिश्चित करने के नाम पर कम उम्र में विवाह को उचित ठहराते हैं जबकि वास्तविक समाधान उसे शिक्षित, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाना है।
संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, दुनिया में हर वर्ष 1.2 करोड़ से अधिक लड़कियों का विवाह 18 वर्ष की आयु पूरी होने से पहले हो जाता है। यह आंकड़ा बताता है कि बाल विवाह कोई सीमित क्षेत्र की सामाजिक समस्या नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर बाल अधिकारों के सामने खड़ी गंभीर चुनौती है। यूनिसेफ के अनुसार, पिछले दशकों में बाल विवाह की व्यापकता घटने में प्रगति हुई है लेकिन इसकी रफ्तार तेज करना जरूरी है। संघर्षग्रस्त क्षेत्रों, मानवीय संकटों और जलवायु आपदाओं से प्रभावित समुदायों में लड़कियों के सामने जोखिम और बढ़ जाते हैं। विस्थापन, गरीबी तथा शिक्षा और सुरक्षा सेवाओं की अनुपलब्धता उन्हीं कम उम्र में विवाह के प्रति अधिक असुरक्षित बना सकती है। भारत में भी स्थिति संतोषजनक नहीं कही जा सकती। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के अनुसार, 20 से 24 वर्ष आयु वर्ग की 23.3 प्रतिशत महिलाओं का विवाह 18 वर्ष से पहले हो गया था। यह आंकड़ा पिछले सर्वेक्षण के 26.8 प्रतिशत से कम अवश्य है लेकिन अब भी लगभग हर चार में से एक महिला के बाल विवाह के अनुभव की ओर संकेत करता है। राज्यों और सामाजिक समूहों के बीच अंतर भी इस चुनौती को जटिल बनाता है। इसलिए राष्ट्रीय औसत में सुधार को समस्या का अंत मान लेना उचित नहीं होगा। ग्रामीण क्षेत्रों, वंचित समुदायों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों तक प्रभावी सहायता पहुंचाना अब भी आवश्यक है।
बाल विवाह के विरुद्ध भारत में कानूनी व्यवस्था मौजूद है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के अंतर्गत सामान्यतः लड़की के लिए 18 वर्ष और लड़के के लिए

21 वर्ष से कम आयु में विवाह बाल विवाह की श्रेणी में आता है। कानून का उद्देश्य केवल विवाह रोकना नहीं बल्कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना भी है। हालांकि, कानून की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि बाल विवाह की सूचना मिलने पर प्रशासन कितनी तत्परता से कार्रवाई करता है, बाल संरक्षण तंत्र कितना सक्रिय है और पीड़ित बालिका को विवाह रूकने के बाद शिक्षा, परामर्श, सुरक्षा तथा आर्थिक सहायता कितनी उपलब्ध होती है। किसी विवाह को रोक देना महत्वपूर्ण है लेकिन लड़की को उसके बाद सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन का अवसर देना उतना ही जरूरी है। बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए भारत में कई महत्वपूर्ण पहलें की गई हैं। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान ने बालिका के जन्म, शिक्षा और सामाजिक सम्मान को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में लाने में भूमिका निभाई है। सुरुच्या समृद्धि योजना परिवारों को बालिका के भविष्य के लिए बचत करने का अवसर देती है। शिक्षा के क्षेत्र में छात्रवृत्तियां, विद्यालयों में शौचालय, किशोरियों के स्वास्थ्य कार्यक्रम और कौशल विकास की पहलें उनकी निरंतर पढ़ाई तथा आत्मनिर्भरता के लिए उपयोगी हैं। पश्चिम बंगाल की कन्याश्री जैसी योजनाओं ने बालिकाओं की शिक्षा जारी रखने और बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया है। किंतु योजनाओं की वास्तविक उपलब्धि घोषणाओं अथवा लाभाभित्थियों की संख्या से नहीं, इस बात से मापी जानी चाहिए कि कितनी लड़कियां विद्यालय में बनी रही, कितनों का विवाह कानूनी आयु से पहले नहीं हुआ और कितनों को अपनी पसंद का जीवन चुनने की स्वतंत्रता मिली।
बालिका अधिकारों का प्रश्न शिक्षा और विवाह की आयु तक सीमित नहीं है। डिजिटल युग में इंटरनेट तक असमान पहुंच, ऑनलाइन उत्पीड़न, लैंगिक भेदभाव और सुरक्षित सार्वजनिक स्थानों की कमी भी लड़कियों की संभावनाओं को सीमित करती है। विद्यालयों में विज्ञान, तकनीक, गणित और उद्यमिता के अवसरों के साथ जीवन-कौशल, डिजिटल साक्षरता, आत्मरक्षा तथा स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। किशोरियों को मासिक धर्म, प्रजनन स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य पर बिना संकोच बात करने का वातावरण मिलना चाहिए। परिवारों को भी यह समझना होगा कि सुरक्षा के नाम पर लड़कियों की आवाजाही, मित्रता और शिक्षा पर अनावश्यक प्रतिबंध लगाना समाधान नहीं है। सुरक्षित वातावरण तैयार करना समाज और संस्थाओं की जिम्मेदारी है।

हिमालय की प्रदूषण-मुक्ति भी हो पहाड़ी तीर्थयात्रा का उद्देश्य



ललित गर्ग

हिमालय हमें बहुत कुछ देता है-जल, वन, जैव विविधता, जलवायु संतुलन, संस्कृति और आध्यात्मिक ऊर्जा। बदले में हमारी जिम्मेदारी केवल वहां जाकर पूजा करना नहीं, बल्कि उस प्रकृति की रक्षा करना भी है। तीर्थयात्री यदि एक बोतल पानी लेकर पहाड़ पर जा सकता है तो खाली बोतल वापस भी ला सकता है। यह छोटा-सा संकल्प बड़े परिवर्तन का आधार बन सकता है।



देखिए-जिस स्थान पर मनुष्य आत्मशुद्धि, संयम और त्याग की भावना लेकर जाता है, वहीं वह अपने पीछे कचरे का निशान छोड़ आता है। क्या ऐसी यात्रा को वास्तव में तीर्थयात्रा कहा जा सकता है? तीर्थ का अर्थ केवल किसी मंदिर तक पहुंचना नहीं है। तीर्थ मनुष्य के भीतर परिवर्तन की यात्रा है। यदि मंदिर में माथा टेकने के बाद हम उसी पर्वत की गोद में प्लास्टिक फेंक दें, जिसकी पवित्रता के नाम पर वहां पहुंचे हैं, तो हमारी आस्था अधूरी रह जाती है।
इस संदर्भ में ह्यकैरी भी बैकहू अभियान उम्मीद की एक महत्वपूर्ण किरण है। लगभग पांच हजार तीर्थयात्रियों द्वारा करीब 18 किलोमीटर के रास्ते से 12 टन से अधिक कंप्रेस्ड प्लास्टिक वापस नीचे लाना बताता है कि श्रद्धालुओं को सहभागी बनाया जाए तो वे पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यह केवल कचरा उठाने का अभियान नहीं, बल्कि तीर्थयात्रा की मानसिकता बदलने का

प्रयास है। ऐसे अभियानों को व्यापक स्वरूप देकर हिमाचल, उत्तराखंड और अन्य हिमालयी तीर्थ क्षेत्रों में लागू किया जाना चाहिए। अमरनाथ यात्रा से मिला अनुभव भी सकारात्मक दिशा दिखाता है। पुनः उपयोग किए जाने वाले बर्तनों और पानी भरने की सुविधाओं के विस्तार के कारण यात्रियों की संख्या में 17 प्रतिशत वृद्धि के बावजूद प्रति यात्री कचरे में 15 प्रतिशत कमी आना इस बात का प्रमाण है कि सुविधाजनक और वैज्ञानिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए तो पर्यावरणीय दबाव कम किया जा सकता है। इसलिए केवल श्रद्धालुओं से अपील करना पर्याप्त नहीं है, प्रशासन को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार सबसे सहज विकल्प बने। हिमाचल प्रदेश के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर भाड़ का अनियंत्रित बढ़ना इसी व्यापक संकट का हिस्सा है। शिमला, मनाली, धर्मशाला, चामुंडा, ज्वालजी, चिंतपूर्णी, नैना देवी और अन्य धार्मिक-पर्यटन स्थलों पर मौसम विशेष में बढ़ने

वाला दबाव यातायात, जलापूर्ति, सीवेज, ठोस कचरा और स्थानीय संसाधनों पर असर डालता है। पहाड़ों की वहन क्षमता मैदानी शहरों जैसी नहीं है। इसलिए किसी भी तीर्थ या पर्यटन स्थल की लोकप्रियता को केवल अधिकाधिक लोगों को वहां पहुंचाने की सफलता के रूप में नहीं देखा जा सकता। अब समय आ गया है कि ह्यजितने अधिक पर्यटक, उतना अधिक विकासहू की सोच को ह्यजितना संवेदनशील पर्यावरण, उतना जिम्मेदार पर्यटनहू में बदला जाए। तीर्थस्थलों की वहन क्षमता का वैज्ञानिक अध्ययन हो और उसके आधार पर प्रतिदिन या मौसम के अनुसार आगंतुकों की संख्या निर्धारित की जाए। सिगनल-यूज प्लास्टिक पर प्रभावी नियंत्रण हो, पानी के रिफिल स्टेशन बढ़ाए जाएं, बोतलों और पैकेजिंग के लिए डिजॉजिट-रिटर्न व्यवस्था लागू की जाए तथा कचरे को स्रोत पर ही अलग करने की व्यवस्था हो। दुकानदारों, होटल संचालकों और वेंडरों को उनके द्वारा उत्पन्न कचरे के प्रति जवाबदेह बनाया जाना चाहिए।
सबसे महत्वपूर्ण है तीर्थयात्री की मानसिकता में परिवर्तन। पहाड़ हमारे मनोरंजन के मैदान नहीं हैं। वे हमारी आने वाली पीढ़ियों की प्राकृतिक विरासत हैं। जिस नदी के किनारे हम पूजा करते हैं, वही नदी नीचे बसे करोड़ों लोगों का जीवन है। जिस जंगल को हम कैमरे में कैद करते हैं, वही जंगल पहाड़ी भौगर्भस्थितिकी को संतुलित करता है। जिस पर्वत को हम देवभूमि कहकर नमन करते हैं, उसकी ढलानों पर प्लास्टिक फेंकना हमारी अपनी श्रद्धा का अपमान है। नेपाल और हिमालयी क्षेत्र में समय-समय पर अत्यधिक वर्षा, बाढ़, भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं ने यह चेतावनी दी है कि पर्वतीय पारिस्थितिकी के साथ छेड़छाड़ के परिणाम गंभीर हो सकते हैं। हर आपदा को सीधे पर्यटन या प्रदूषण का परिणाम मानना वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं होगा, लेकिन इतना निश्चित है कि अनियोजित निर्माण, अत्यधिक मानवीय दबाव, वन क्षरण और कचरा प्रबंधन की कमजोरी पर्वतीय क्षेत्रों को संवेदनशीलता को बढ़ा सकती है।

बच्चे अच्छी कार्यनीति के साथ जीवन में आगे बढ़े

उत्तरकाशी और यमुनोत्री घाटी में भूकंप के तेज झटके

राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अगरोड़ा में हुआ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : स्वास्थ्य विभाग पौड़ी द्वारा कल्जीखाल ब्लॉक के अंतर्गत राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अगरोड़ा में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर शनिवार को छात्र-छात्राओं हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि सभी बच्चे अच्छी कार्यनीति के साथ जीवन में आगे बढ़ें, अच्छे शारीरिक स्वास्थ्य को लेकर यदि हम कार्य करते हैं तो हमारा मानसिक स्वास्थ्य स्वयं ही सही रहेगा। कहा कि सभी बच्चे मेहनत के साथ आगे बढ़ें।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम से काउंसलर रेखा रावत ने छात्र-छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य को लेकर विशेष जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि 11 से 12 साल की उम्र में बच्चे माता-पिता से जरूरी दस्तों की सलाह को ज्यादा महत्व देते हैं, सभी बच्चे अच्छी आदतों को अपनाएं। साथ ही सीखी गईं बुरी आदतों को समय के साथ छोड़ जा सकता है, जो आपको गलत कार्य के लिए कहे ऐसे दस्तों से दूर रहें। इसलिए दोस्त हमेशा सोच समझ कर चुनने चाहिए। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी किसी भी परेशानी हेतु टेली मानस हेल्पलाइन नंबर 14416 पर संपर्क करने को कहा। उन्होंने बच्चों से सकारात्मकता सोच रखने के साथ ही योग, पढ़ाई और खेल में सही रखने हेतु



कहा। उन्होंने कहा कि तनाव और कठिन परिश्रम को समानार्थी समझा जाता है हम छोटी-छोटी बातों को तनाव मान लेते हैं, हम तनाव से पीछा तो नहीं छुड़ा सकते हैं, लेकिन मजबूत मानसिक स्वास्थ्य से हम तनाव से दूर रह सकते हैं। मुख्य चिकित्साधिकारी पौड़ी डॉ. मेघना असवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि आज विश्व मानसिक

स्वास्थ्य दिवस पर विभाग की ओर से सभी चिकित्सा इकाइयों, विभिन्न विद्यालयों, सामुदायिक स्तर पर स्वास्थ्य शिविर लगाए जाने के साथ ही विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य मान सिंह कोहली, सीएचओ मनीषा, एएनएम मीनाक्षी रावत, रेशमा आदि मौजूद थे।

उत्तरकाशी, जनपद मुख्यालय और यमुनोत्री घाटी में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का झटका महसूस होते ही लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। यमुनोत्री घाटी के खरसाली गांव में भी लोगों ने भूकंप के तेज झटके महसूस किए। उत्तरकाशी केंद्र से करीब दो किलोमीटर दूर भूकंप का केंद्र रहा। रिक्टर स्केल पर 4.2 तीव्रता रही।



खरसाली गांव के तीर्थ पुरोहित पुरुषोत्तम उनियाल ने बताया कि 8 बजकर 7 मिनट पर भूकंप का तेज झटका महसूस किया गया। उन्होंने बताया कि भूकंप के दौरान घरों में रखे टीवी हिलते हुए दिखाई दिए। अचानक धरती में कंपन महसूस होने से लोग घबरा गए और सुरक्षा के लिहाज से घरों से बाहर निकल आए।

उत्तरकाशी जिला मुख्यालय में भी भूकंप का तेज झटका महसूस किया गया। यहां भी कंपन महसूस होने के बाद लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। अचानक आए झटके से लोगों में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा।

हर्षिल में आपदा से निपटने के लिए बनेगा कंट्रोल रूम

उत्तरकाशी। हर्षिल क्षेत्र में आपदा के दौरान राहत और बचाव कार्यों को तेजी से संचालित करने के लिए प्रस्तावित अस्थायी कंट्रोल रूम की स्थापना की कवायद तेज हो गई है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने शनिवार को हर्षिल और झाला का दौरा कर अधिकारियों को इसके लिए जरूरी कार्रवाई जल्द पूरी करने के निर्देश दिए। वहीं, झाला में बनकर तैयार सामुदायिक भवन को भी जल्द हस्तांतरित करने को कहा।

डीएम ने हर्षिल के उद्यान ग्राउंड में सीएमबीएडीपी योजना के तहत भवन के प्रथम तल पर प्रस्तावित अस्थायी आपातकालीन परिचालन केंद्र के लिए चिह्नित जगह का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से केंद्र की स्थापना

की तैयारियों के बारे में जानकारी ली। साथ ही निर्देश दिए कि जरूरी औपचारिकताएं पूरी करने में देरी न की जाए।

इसके बाद डीएम झाला पहुंचे और रीप परियोजना के तहत बने सामुदायिक भवन का जायजा लिया। भवन तैयार होने के बाद भी हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी होना जरूरी है।

इस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रक्रिया जल्द पूरी करने के निर्देश दिए। डीएम ने झाला स्थित कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्थाएं भी देखीं। निरीक्षण के दौरान जिला पर्यटन विकास अधिकारी खुशाल नेगी, रीप परियोजना प्रबंधक कपिल उपाध्याय, आपदा कंसल्टेंट जय पंचार समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

आग लगने से 12 टन स्त्रैम से लदे ट्रक का सामान जला

टिहरी । गुजरात जा रहे एक वाहन में टायर में आग लगने से उसमें लदा करीब 12 टन कागी स्टील लेमिनेशन स्त्रैम जल गया। घटना की सूचना मिलने पर नरेंद्रनगर पुलिस और फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हादसे में वाहन चालक सुरक्षित है। जानकारी के अनुसार, वाहन बीती रात टिहरी से करीब 12 टन कागी स्टील लेमिनेशन स्त्रैम लेकर गुजरात के लिए रवाना हुआ था। इसी दौरान वाहन के टायर में आग लग गई, जिससे वाहन में रखा सामान जल गया। घटना की सूचना मिलने पर नरेंद्रनगर पुलिस और फायर सर्विस यूनिट ने तत्काल कार्रवाई करते हुए फायर टेंडर के साथ मौके पर पहुंचकर आग बुझाई।

सशक्त पंचायतें ही समृद्ध उत्तराखंड की पहचान : हेमंत द्विवेदी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने जिला पौड़ी (गढ़वाल) के कल्जीखाल ब्लॉक में आयोजित एक दिवसीय त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधि प्रशिक्षण एवं संवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसन्न किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा जन-जन तक विकास योजनाओं को पहुंचाया गया है। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों को ग्रामीण विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूक करते हुए सशक्त पंचायतों के माध्यम से समृद्ध गांव और विकसित उत्तराखंड के निर्माण का आह्वान किया।

कार्यक्रम में हेमंत द्विवेदी ने केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत पंचायत प्रतिनिधियों



के अधिकारों, कर्तव्यों एवं दायित्वों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। हेमंत द्विवेदी ने कहा कि सशक्त पंचायतें ही सशक्त गांवों की आधारशिला हैं। पंचायत प्रतिनिधियों का सशक्तिकरण, जनभागीदारी और पारदर्शी

व्यवस्था ग्रामीण विकास को नयी गति प्रदान करने के प्रमुख माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों, बेहतर समन्वय और जनहित को प्राथमिकता देकर गांवों को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। उन्होंने सभी प्रतिनिधियों से आत्मनिर्भर गांव और विकसित उत्तराखंड के संकल्प को साकार करने के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान

किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ज्येष्ठ प्रमुख संजय पटवाल ने भी केंद्र और राज्य द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। वहीं कनिष्ठ प्रमुख दीपक असवाल ने कहा कि योजनाएं तो जरूर बन रही हैं, लेकिन जरूरतमंद लोगों की पहुंच से दूर है। जिला पंचायत सदस्य गढ़कौट सविता देवी ने भी राज्य मंत्री का धन्यवाद करते हुए कहा कि राज्य मंत्री का आगमन और प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने वाले जनप्रतिनिधियों को सूचना नहीं दी गई। उन्होंने कहा उन्हें एक दिवसीय प्रशिक्षण की सूचना जिला पंचायत अध्यक्ष के माध्यम प्राप्त हुई है। इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यकर्ता सदस्य भारत भूषण नेगी, मंडल महामंत्री नरेंद्र सिंह पटवाल, विधायक प्रतिनिधि बॉरेन्द्र बिष्ट, ग्राम प्रधान सिरों मीना धरमाना, खंड विकास अधिकारी चंद्र प्रकाश बलूनी, एडीओ पंचायत अरुण रावत के अलावा कल्जीखाल ब्लॉक के पंचायत जनप्रतिनिधियों, ग्राम पंचायत प्रधानों, क्षेत्र पंचायत सदस्यों तथा भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

विकास सेवा संकल्प में सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

चमोली। ब्लॉक सभापान में शनिवार को विकास सेवा संकल्प सम्मेलन संपन्न हुआ। इसमें पंचायत प्रतिनिधियों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और क्षेत्र के विकास के लिए प्रेरित किया गया। केअर एंड नीड संस्था की ओर से आयोजित सम्मेलन में विधायक अनिल नौटियाल और भाजपा जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र सेवा के 25 साल पूरे होने पर चल रहे कार्यक्रम की जानकारी दी। संस्था की प्रीती डीमरी ने पंचायतों को मजबूत बनाने के सुझाव दिए। उन्होंने क्षेत्र के विकास की रूपरेखा तैयार करने के तरीके बताए। पूर्व जिला जंगमोहन कटैट, ब्लॉक प्रमुख दुर्गा देवी रावत, बीडीओ पवन कंडारी और जिला सभापान अनीता रावत ने भी विचार रखे।

धराली में आपदा के एक वर्ष बाद भी नहीं हुए सुरक्षात्मक कार्य

उत्तरकाशी। हर्षिल घाटी के धराली में आपदा के एक वर्ष दो माह बीतने के बाद भी सुरक्षात्मक कार्य शुरू नहीं हो पाए हैं। वहां पर जगह-जगह बिखरा मलबा अभी भी आपदा के जख्मों की यादों को ताजा कर रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शासन-प्रशासन की ओर से मुआवजा देने के बाद अब मुड़कर भी धराली की ओर नहीं देखा जा रहा है। इसलिए यह मलबा कभी भी दोबारा बड़ा खतरा बन सकता है।

स्थानीय निवासी संजय पंचार का कहना है कि सरकार की ओर से मुआवजा देने के बाद आपदा प्रभावितों की सुध नहीं ली जा रही है। एक वर्ष से अधिक समय हो गया है लेकिन खीर गंगा से अभी

तक मलबा नहीं हटया गया है। सिंचाई विभाग की ओर से मात्र खीर गंगा को उसके मूल धारा की ओर चैनलाइज किया गया लेकिन उसके अलावा यहाँ पर अभी तक किस प्रकार के कार्य नहीं किए गए। ग्रामीणों का कहना है कि अगर समय पर मलबा हट जाता। तो लोग अपनी मलबे में दबी भूमि पर कुछ खतरा बन सकता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द ही वहां पर सुरक्षात्मक कार्य करने की मांग की है। इस संबंध में सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता से फोन पर संपर्क नहीं हो पाया।

एक नजर

पाइप लाइन टूटने से धंस रही है सड़क

उत्तरकाशी। गंगोरी-संगमचट्टी मोटर मार्ग पर पिछले दस दिनों से पाइप लाइन टूटी है जिससे पानी गिरने के कारण सड़क धंस रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले सड़क बरसात के दौरान धंस गई थी वहीं अब पाइप लाइन के पानी के कारण धंसाव और बढ़ गया है। स्थिति यह है कि इससे स्कूल के वाहन न आने के कारण बच्चों को गंगोरी तक चार किमी की पैदल दूरी तयानी पड़ रही है।

स्थानीय निवासी मान सिंह पंचार ने कहा कि गत दस दिनों से गंगोरी-संगमचट्टी मोटर मार्ग पर चिंचा के समीप पाइपलाइन टूटी होने के कारण वहां से सड़क पानी बह रहा है। इससे सड़क पर धंसाव बढ़ने के कारण वाहनों की आवाजाही में खतरा बना है। सड़क से दस से अधिक गांव के लोग आवाजाही करते हैं। साथ ही सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को हो रही है। सड़क धंसने के कारण स्कूली बच्चों के वाहन चिंचा व रवाड़ा नहीं आ रहे हैं जबकि क्षेत्र से कई बच्चे गंगोरी व जनपद मुख्यालय के विद्यालयों में पढ़ते हैं। इससे स्कूली बच्चों को गंगोरी तक करीब चार किमी की पैदल दूरी तयानी पड़ रही है। पंचार ने कहा कि अगर पाइपलाइन को जल्द ठीक नहीं किया गया तो इससे सड़क को अधिक नुकसान हो सकता है। साथ ही पानी की भी बरबादी हो रही है। अभी तक वहां पर कोई कर्मचारी भी स्थिति को देखने नहीं आया है। इस संबंध में जल संस्थान के अधिशासी अभियंता से संपर्क करने पर नहीं हो पाया।

सिद्धपीठ श्री कुंजापुरी मेले की तैयारियां पूरी

नरेंद्रनगर (टिहरी) । सिद्धपीठ श्री कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास मेले की स्वर्ण जयंती समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर दी गई हैं। आज रविवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मेला का उद्घाटन करेंगे। मेले के लिए श्री कुंजापुरी मंदिर और नरेंद्रनगर बाजार को भव्य रूप से सजाया गया है जिससे लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। मेला समिति की ओर से स्वर्ण जयंती महोत्सव को भव्य रूप देने के लिए कई रूप प्रयोग किए जा रहे हैं। मेले में जिले के सभी ब्लॉकों के स्कूलों की सांस्कृतिक और खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने के निर्देश दिए गए हैं। मेला समिति द्वारा इस बार विकास प्रदर्शनी का स्थान बदला गया है। नरेंद्रनगर बाजार को रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया है जिससे रात के समय बाजार का दृश्य देखने लायक बन रहा है। मेला समिति के मुख्य संस्क्षक व प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल और मेला समिति के अध्यक्ष व पालिकाध्यक्ष राजेंद्र विष्म सिंह पंचार लगातार तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं। मेला समिति को स्थानीय लोगों का खूब सहयोग मिल रहा है।

वसुंधरा झील पर अल्टी वार्निंग सिस्टम लगाने में जुटी टीम



चमोली। चमोली जिले में स्थित वसुंधरा झील पर अल्टी वार्निंग सिस्टम स्थापित करने में टीम जुटी हुई है। टीम ने वही पर कैंप किया हुआ है। आपदा

प्रबंधन विभाग के अधिकारियों के अनुसार वसुंधरा झील के निकट माइनस पांच से माइनस आठ तक तापमान है। कठिन परिस्थितियों के बाद भी टीम वहां पर अल्टी वार्निंग सिस्टम स्थापित करने का काम रही है। इस सिस्टम को सीबीआरआई ने विकसित किया है। टीम में वाडिया हिमालय भू विज्ञान संस्थान, एनडीआरएफ के सदस्य भी शामिल हैं। इससे झील के जलस्तर, तापमान, आर्द्रता,

बारिश, हवा की गति आदि का पता रखा जाएगा। इसके अलावा बर्फ की गहवाई, जल प्रवाह पर पर होने वाले बदलावों आदि पर नजर रखी जा सकेगी।

पहाड़ी क्षेत्रों के लिए सतत विद्युत वाहन पर हुई कार्यशाला

नई दिल्ली। टीएचडीसी इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रो पावर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (टीएचडीसी-आईएचडीटी) भारीश्रीपुरम में पहाड़ी क्षेत्रों के लिए सतत विद्युत वाहन विषय पर आयोजित छ दिवसीय संकाय विकास प्रशिक्षण का समापन हो गया। संस्थान के निदेश-क प्रो. शरद कुमार प्रधान ने प्रशिक्षण का समापन करते हुए कहा कि प्रतिभागी अर्जित ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव का उपयोग अनुसंधान, नवाचार और तकनीकी विकास को बढ़ावा देने में करें। प्रशिक्षण के दौरान परंपरिक पेट्रोल इंजन वाली स्कूटी को हाइब्रिड विद्युत वाहन में बदलने का व्यावहारिक प्रयोग आकण का केंद्र रहा।

राजमा की फसल पर मौसम का वार, किसानों की मेहनत हुई बेकार

पुरोला। राजमा की फसल से अच्छी पैदावार और आमदनी की उम्मीद लगाए बैठे किसानों को बारिश और ओल्लावृष्टि ने बड़ा झटका दिया है। पंचगाई पट्टी क्षेत्र में बीते दिनों हुई तेज बारिश और ओल्लावृष्टि से कटाई के लिए तैयार राजमा सहित अन्य फसलों को नुकसान पहुंचा है। इससे किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फिर गया है। फसल खराब होने से चिंतित किसानों ने प्रशासन से नुकसान का स्थलीय सर्वे करारक उचित मुआवजा देने की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार, मौसम की मार ऐसे समय पड़ी जब राजमा की फसल कटाई के लिए तैयार थी। बारिश से फसल भीग गई जबकि ओल्लावृष्टि से दानों की गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका है। इससे किसानों को उत्पादन में नुकसान के साथ उपज का उचित दाम मिलने की उम्मीद भी कमजोर पड़ गई है।



किसानों का कहना है कि खेती के लिए बीज, खाद, मजदूरी और अन्य कृषि कार्यों पर पहले ही काफी खर्च किया जा चुका है। ऐसे में फसल को नुकसान पहुंचने से उनकी लागत

निकालना भी मुश्किल हो सकता है। पंचगाई पट्टी के कई परिवारों की आजीविका राजमा की खेती पर निर्भर है। ऐसे में फसल खराब होने का असर सीधे उनकी आर्थिक स्थिति पर पड़ेगा।

संक्षिप्त

समाचार

मैक्सिको की जेल में भीषण दंगा : 10 लोगों की मौत, 16 घायल ; झा कार्टेल के गढ़ सिनालोआ में भड़की हिंसा

मैक्सिको सिटी, एंजेंसी। मैक्सिको के कुख्यात और हिंसा प्रभावित राज्य सिनालोआ की एक जेल में गुरुवार को कैदियों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। इस भीषण दंगे में कम से कम 10 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 16 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, मारे गए 10 लोगों में नौ जेल के कैदी थे, जबकि एक व्यक्ति जेल में बंद किसी कैदी से मुलाकात करने आया हुआ परिजन/मुलाकाती था। नेशनल गार्ड ने सभाला मोर्चा हिंसा और झड़प की सूचना मिलते ही सुरक्षा बलों और नेशनल गार्ड की टुकड़ियों को तुरंत जेल परिसर में तैनात किया गया। सुरक्षा बलों के कड़े हस्तक्षेप के बाद अब हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं। हालांकि, जेल प्रशासन और स्थानीय पुलिस की ओर से अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि दंगे की मुख्य वजह क्या थी और संघर्ष किन गुटों के बीच शुरू हुआ। उल्लेखनीय है कि सिनालोआ राज्य को मैक्सिको के सबसे हिंसक और खतरनाक इलाकों में गिना जाता है। यह इलाका दुनिया के सबसे कुख्यात ‘सिनालोआ झग कार्टेल’ का मुख्य गढ़ माना जाता है, जहां अक्सर विभिन्न आपराधिक गिरोहों के बीच वर्चस्व की जंग और हिंसक झड़पें देखने को मिलती रहती हैं।

अमेरिकी कांग्रेस में भारतीय पायलट रिमत को सम्मानित किया जाएगा

वाशिंगटन, एंजेंसी। भारतीय पायलट कैप्टन रिमत मच्छर को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के कांग्रेसनल रिकॉर्ड में सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने पलाईदुबई की उड़ान में एक साथी पायलट के कुल्हाड़ी से हमले के बाद 172 यात्रियों और चालक दल को बचाया था। भारतीय-अमेरिकी कांग्रेस सदस्य राजा कृष्णमूर्ति ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। शुक्रवार को कांग्रेसनल रिकॉर्ड में बयान दर्ज होगा। यह घटना 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रही पलाईदुबई उड़ान 1073 में हुई। कृष्णमूर्ति के बयान के अनुसार, विमान 30 सेकंड में करीब 16,000 फीट नीचे आ गया। गंभीर चोटों के बावजूद, कैप्टन मच्छर ने कॉकपिट का दरवाजा खोला। इससे यात्री और चालक दल हमलावर को काबू कर सके। विमान में सवार दो आरक्षित पलाईदुबई पायलटों ने नियंत्रण संभालकर उसे सऊदी अरब के तबूक में सुरक्षित उतारा। उड़ान में 4 अमेरिकी नागरिक और 27 बच्चों सहित 172 यात्री थे। कृष्णमूर्ति ने कैप्टन की त्वरित सोच और दृढ़ता की प्रशंसा की।

भारत के साथ जल बंटवारा विवाद वार्ता से ही सुलझेगा : बांग्लादेश

ढाका, एंजेंसी। बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने कहा है कि भारत के साथ लंबे समय से चले आ रहे जल बंटवारे के मुद्दों को केवल बातचीत और कुटनीति के जरिये ही सुलझाया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस दिशा में प्रगति तभी संभव है जब दोनों देशों का शीर्ष नेतृत्व सहयोग की मजबूत राजनैतिक इच्छाशक्ति दिखाए। कबीर ने हेरस्पतिवार को यहां एक सेमिनार के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि साझा नदियां और गंगा जल बंटवारा संधि के भविष्य को लेकर दोनों पक्षों के बीच चर्चा जारी है।

अमेरिका में 2 लाख भारतवंशी वोटर्स की नाम कटे:मिडस्ट चुनाव में ट्रंप को हार का डर ; 2024 में 65% ने विपक्ष को वोट दिया था

न्यूयॉर्क , एंजेंसी। अमेरिका की वोटर लिस्ट से 2 लाख भारतीय मूल के वोटर्स का नाम कट गया है। इन लोगों के नाम उन 26 राज्यों में काटे गए हैं, जहां ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी की सरकार है। अमेरिका में करीब 2.1 लाख भारतवंशी वोटर्स हैं। 3 नवंबर को मिडटर्म चुनाव होने हैं। इन चुनावों में ट्रंप की पार्टी को हार का डर सता रहा है। इसकी एक वजह भारतीय मूल के वोटर्स का रुझान है, जो हमेशा से उनकी विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर रहा है। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में करीब 65% भारतीय मूल के लोगों ने डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस को वोट दिया था। वोटर लिस्ट की जांच क्यों हो रही अमेरिका में ट्रंप प्रशासन वोटर लिस्ट की जांच कर रहा है, ताकि अयोग्य वोटर्स के नाम हटाए जा सकें। सरकार का कहना है कि इससे चुनाव में गड़बड़ी रोकने और वोटिंग प्रक्रिया को ज्यादा सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी। इसी मकसद से ट्रंप ‘वेब अमेरिका एक्ट’ का समर्थन कर रहे हैं। फरवरी में अमेरिकी संसद के निचले सदन ने इस बिल को मंजूरी दी थी।

अमेरिकी सांसदों की चेतावनी : 6जी और सैटेलाइट नियमों में चीन से पिछड़ सकता है अमेरिका



वॉशिंगटन, एंजेंसी। अमेरिका के दो सीनेटरों ने चेतावनी दी है कि अगर ट्रंप प्रशासन ने जल्द कदम नहीं उठाए, तो चीन वैश्विक 6जी और सैटेलाइट संचार से जुड़े नियम तय करने में रणनीतिक बढ़त हासिल कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगले साल होने वाले एक अहम अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार सम्मेलन के लिए अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख की जल्द नियुक्ति जरूरी है। एरिजोना से डेमोक्रेटिक सीनेटर रूबेन गैलेगो और इंडियाना से रिपब्लिकन सीनेटर ज़िम बैंक्स ने विदेश मंत्री मार्को रूबियो से अपील की है कि 30 नवंबर से पहले अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख को नियुक्त किया जाए। 30 नवंबर से बोगोटा (कोलंबिया) में क्षेत्रीय वार्ताएं शुरू होने वाली हैं।

इस सप्ताह जारी एक द्विदलीय पत्र में दोनों सीनेटरों ने कहा कि 2027 का वर्ल्ड रेडियोकम्युनिकेशन कॉन्फ्रेंस (डब्ल्यूआरसी-27) अगली पीढ़ी के वायरलेस नेटवर्क और सैटेलाइट संचार में इस्तेमाल होने वाले रेडियो स्पेक्ट्रम से जुड़े अहम अंतरराष्ट्रीय नियम तय करेगा। यह सम्मेलन अक्टूबर और नवंबर 2027 में चीन के शंघाई शहर में आयोजित होगा, जिसमें अमेरिका समेत 194 सदस्य देश हिस्सा लेंगे।

सीनेटरों ने कहा कि मेजबान देश होने के नाते चीन बातचीत को अपनी घरेलू तकनीकी कंपनियों, खासकर हुआवेई, के पक्ष में मोड़ने की कोशिश

कर सकता है। उन्होंने पत्र में लिखा, ‘मेजबान होने के कारण चीन को घरेलू मैदान का फायदा मिलेगा और वह स्पेक्ट्रम तथा तकनीकी मानकों को ऐसी दिशा में ले जाने की कोशिश कर सकता है, जिससे चीनी कम्युनिस्ट पार्टी और उससे जुड़ी कंपनियों, जैसे हुआवेई, के हितों को लाभ पहुंचे।’ दोनों सांसदों का कहना है कि सम्मेलन से काफी पहले अमेरिका को अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर रणनीति और बातचीत की साझा तैयारी करनी होगी। उन्होंने कहा, ‘मजबूत अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल और समान सोच वाले सहयोगियों के साथ पहले से किया गया समन्वय, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के एजेंडे का सबसे प्रभावी जवाब होगा।’

29 सितंबर को लिखे गए इस पत्र में प्रतिनिधिमंडल प्रमुख की नियुक्ति को तत्काल प्राथमिकता बताया गया

है। गैलेगो और बैंक्स ने 2023 के वर्ल्ड रेडियोकम्युनिकेशन कॉन्फ्रेंस की तैयारियों के दौरान आई समस्याओं को दोहराने के खिफाफ चेतावनी दी। उस समय अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख को आखिरी समय में बदल दिया गया था। सीनेटरों के अनुसार, पूर्व प्रतिनिधिमंडल सदस्यों ने बताया था कि इस बदलाव के कारण अमेरिका का काफी समय बर्बाद हुआ, जो क्षेत्रीय सहयोग और साझेदारियों बनाने में काम आ सकता था। उन्होंने लिखा, ‘हम डब्ल्यूआरसी-27 में ऐसी ही परिस्थितियों के साथ प्रवेश करने का जोखिम नहीं उठा सकते। सांसदों ने कहा कि 6जी से जुड़े फैसेल खास तौर पर महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि अगली पीढ़ी की वायरलेस तकनीक के मानक अभी विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि हुआवेई के समर्थन वाले प्रस्ताव इन मानकों को प्रभावित कर सकते हैं, इससे पहले कि अमेरिका और उसके साझेदार कोई साझा विकल्प तैयार कर पाएं। सीनेटरों ने गैर-भूस्थिर सैटेलाइट नेटवर्क के तेजी से विस्तार का भी जिक्र किया। उनका कहना है कि इससे रेडियो स्पेक्ट्रम के अंतरराष्ट्रीय समन्वय की अहमियत और बढ़ गई है। हालांकि उन्होंने प्रशासन द्वारा सराहना की थी। नेशनल टेलीकम्युनिकेशंस एंड इंफॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन (एनटीआईए) और

फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन पहले ही इंटर-अमेरिकन टेलीकम्युनिकेशन कमीशन (सीआईटीईएल) को अमेरिकी प्रस्ताव सौंप चुके हैं। अमेरिका अपनी बाकी रणनीतिक स्थितियां 30 नवंबर से बोगोटा में शुरू होने वाली सीआईटीईएल की स्थायी परामर्श समिति-II की अगली बैठक में पेश करने की योजना बना रहा है। गैलेगो और बैंक्स ने मांग की कि उस बैठक से पहले प्रतिनिधिमंडल प्रमुख की नियुक्ति कर दी जाए, ताकि दोनों अमेरिका के आधिकारिक रुख को तैयार करने की प्रक्रिया में हिस्सा ले सकें। उन्होंने जानकारी मांगी कि अमेरिका अपने अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ मिलकर भरोसेमंद दूरसंचार आपूर्ति श्रृंखलाएं (टेलीकॉम सप्लाई चेन) कैसे विकसित करेगा। पत्र में खास तौर पर कहा गया है कि ग्लोबल साउथ के देशों के लिए हुआवेई और अन्य चीनी कंपनियों के विकल्प उपलब्ध कराए जाने चाहिए। दोनों सीनेटरों ने 23 अक्टूबर तक लिखित जवाब या ब्रीफिंग और 2027 की वसंत ऋतु तक चीन के प्रभाव का मुकाबला करने की अमेरिकी रणनीति पर एक ब्रीफिंग की भी मांग की है। वर्ल्ड रेडियोकम्युनिकेशन कॉन्फ्रेंस का आयोजन अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ करता है, जो संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एंजेंसी है। यह संस्था वैश्विक दूरसंचार समन्वय का काम करती है।

नेपाल: पोखरा के पास सड़क से फिसलकर नीचे जा गिरी स्कूल बस, हादसे में पांच लोगों की मौत

काठमांडू , एंजेंसी। नेपाल के पश्चिमी शहर पोखरा में शुक्रवार सुबह एक स्कूल बस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। बस जानकारी एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने दी। बस सुबह करीब 6:20 बजे कास्की जिले के पोखरा महानगरपालिका के वाई नंबर 28 स्थित ओखलेको भेरी इलाके में सड़क से फिसलकर नीचे जा गिरी। नेपाली अधिकारियों के अनुसार, यह बस कालिका इंग्लिश बोर्डिंग स्कूल की है। कास्की जिला पुलिस कार्यालय के प्रमुख पुलिस अधीक्षक नवीन काकी ने आईएनएस को बताया कि हादसे में पांच लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। जानकारी के अनुसार हादसे के समय बस में 17 छात्र, एक अन्य यात्री और चालक सवार थे। दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। कास्की के मुख्य जिला अधिकारी कुमार सिंह गुरुंग ने बताया कि बस में ज्यादातर 10वीं कक्षा के छात्र थे। हादसे के समय वे ट्यूशन क्लास में जाने के लिए यात्रा कर रहे थे। पिछले कुछ वर्षों में नेपाल में

सड़क हादसों की संख्या बढ़ी है। इसके साथ ही सड़कों पर वाहनों की संख्या में भी लगातार इजाफा हुआ है। करीब दस साल पहले नेपाल ट्रैफिक पुलिस ने 4,999 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की थीं। अधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में नेपाल में 7,669 सड़क हादसे हुए, जिनमें 1,900 लोगों की मौत हुई। कुल दुर्घटनाओं में से 278 को गंभीर श्रेणी में रखा गया था। सड़क सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं का दुष्प्रभाव केवल लोगों की जान खोने तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि इससे अर्थव्यवस्था पर भी बड़ा बोझ पड़ता है। विश्व बैंक के एक अध्ययन के अनुसार, नेपाल में सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली चोटों की आर्थिक लागत 2007 के बाद से तीन गुना बढ़ चुकी है और यह देश की सकल राष्ट्रीय आय (जीएनपी) के 1.5 प्रतिशत के बराबर पहुंच गई है। सड़क हादसों का सबसे ज्यादा असर गरीब और कमजोर वर्गों पर पड़ता है।

अमेरिका फोर्ट हुड नरसंहार के दोषी को मौत की सजा, होगा लाइव टेलीकास्ट



पेंटागन , एंजेंसी। पेंटागन के एक अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि दोषी मिलिट्री बेस शूटर निदाल हसन को फायरिंग स्क्वाड द्वारा दी जाने वाली फांसी का लाइवस्ट्रीम किया जाएगा। इससे पहले रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा था कि यह फांसी ‘पब्लिक’ में दी जाएगी। हसन अमेरिकी आर्मी के साइक्रेट्रिस्ट था.उसने 2009 में फोर्ट हुड में 13 लोगों को गोली मार दी थी. उसे 1961 के बाद अमेरिकी सेना द्वारा दी गई पहली फांसी होगी और दूसरे विश्व युद्ध के बाद फायरिंग स्क्वाड द्वारा दी गई पहली फांसी होगी. पेंटागन के अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर एएफपी को बताया, ‘इसे लाइवस्ट्रीम किया जाएगा. डिटेल्स बाद में दी जाएंगी.’ हेगसेथ ने गुरुवार को पेंटागन के ऑफिशियल अकाउंट्स से एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा था कि हसन

‘सैनिकों की एक फायरिंग स्क्वाड लाने जा रहा है, जैसा कि होना चाहिए और हम यह पक्का करेगे कि लोग इसे देख सकें, कि यह सार्वजनिक हो. हेगसेथ ने यूएसएस अब्राहम लिंकन एम्बरक्राफ्ट कैरियर पर राइट-विंग इम्फ्लुएंसर जैक पोसोबिएक से कहा, ‘लोगों को यह समझने की जरूरत है कि इस तरह की चीजों के गंभीर नतीजे होते हैं.’ हेगसेथ ने कहा कि यह दूसरे विश्व युद्ध के बाद मिलिट्री की पहली फायरिंग स्क्वाड फांसी होगी.

यह एडी स्लोविक के मामले का जिक्र है, जिसे 1945 में भागने के लिए मौत की सजा दी गई थी. हेगसेथ ने कहा, ‘मुझे दूसरे विश्व युद्ध की हमारी सोच कुछ-कुछ पसंद है, जो जीतने की थी, जो यह समझती थी कि जब दुश्मन आप पर हमला करे तो आपको अपनी जगह पर डटे रहना चाहिए.’ एक अलग क्लिप में पोसोबिएक ने पेंटागन चीफ से पूछा कि क्या हसन ने कोई आखिरी रिक्वेस्ट की है. हेगसेथ ने कहा, ‘कोई बात नहीं. हम



हैरानी जताई कि क्यासमाजवाद का मतलब मेगाकॉर्पोरेशन के लिए कभी न खत्म होने वाला सस्ता मजदूर उपलब्ध कराना है. वेंस ने कहा, समाजवाद का मतलब साफ तौर पर यह पक्का करने के लिए जी-जान से लड़ना है कि मेगाकॉर्पोरेशन को सस्ते लेबर का कभी न खत्म होने वाला प्रवाह मिलता रहे. वेंस ने गुरुवार को निलबन की घोषणा की और बड़ी टेक कंपनियों और आउटसोर्सिंग कंपनियों पर अमेरिकी वर्कर की कीमत पर वीजा सिस्टम का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया. जयपाल ने कहा कि ट्रंप

पाकिस्तानऔर सऊदी अरबने फिर से किया मिलिट्री पैक्ट, यमन के हतियारों का करेंगे मुकाबला

इस्लामाबाद , एंजेंसी। यमन के हतियारों का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान, तुर्की और सऊदी अरब ने एक समझौता किया है. समझौता पांच अक्टूबर 2026 को किया गया. इसके तहत वे खाड़ी देश में तेजी से सेना तैनात करने पर सहमत हुए हैं. वैसे इन तीनों देशों के बीच अफगानिस्तान पहले ही हो चुका है. सात अगस्त, 2026 को सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के बीच जॉइंट डिफेंस एपीमेंट (संयुक्त रक्षा समझौते) पर हस्ताक्षर किए गए थे. यह क्षेत्रीय और वैश्विक जियोपॉलिटिकल समीकरणों में एक बहुत ही अहम घटना है.पश्चिम और दक्षिण एशिया में एक न्यूक्लियर पावर, एक नाटो सदस्य और तेल से मालामाल खाड़ी देश एक साथ आए हैं, और वह भी नाटो-स्टाइल की इस शर्त के साथ कि समझौते में शामिल किसी भी देश पर हमला सभी पर हमला माना जाएगा. यह सितंबर 2025 में सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुए सिक्कीरिटी पैक्ट (सुरक्षा समझौते) का ही एक बढ़ा हुआ और अनोखा रूप है.इसमें पाकिस्तान शामिल है, जो एक न्यूक्लियर पावर है और डेटरेंस (हमले को रोकने की क्षमता) दे सकता है. तुर्की मिलिट्री इक्विपमेंट और टेक्नोलॉजी दे सकता है, और सऊदी अरब, जिसके पास बहुत पैसा है, इस सिक्योरिटी आर्किटेक्चर (सुरक्षा ढांचे) को फंड

कर सकता है. आइए पहले यह देखते हैं कि सऊदी और पाकिस्तान के बीच डिफेंस पैक्ट कितना पुराना है. 1951: दोनों देशों के बीच दोस्ती की एक संधि पर हस्ताक्षर किए गए, जिसने आपसी सहयोग की नींव रखी. 1967: पाकिस्तान की सेना द्वारा केएसए (सऊदी अरब) की सेना को ट्रेनिंग देने के लिए ‘म्यूचुअल कोऑपरेशन प्रोग्राम (1967)’ नाम के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए. ‘म्यूचुअल कोऑपरेशन प्रोग्राम (1967)’ नाम के पुराने समझौते में बदलाव किया गया, जिसमें केएसए की सेना को ट्रेनिंग देने से जुड़ी शर्तों का दायरा बढ़ाया गया. 1979: 1979 में मक्का की घेराबंदी के दौरान पकिस्तान ने सऊदी स्पेशल फोर्सेज की मदद की और घेराबंदी के ठीक बाद पवित्र किया गया. केएसए केएसए की सेना को ट्रेनिंग देने से जुड़ी शर्तों का दायरा बढ़ाया गया. 1979: 1979 में मक्का की घेराबंदी के दौरान पकिस्तान ने सऊदी स्पेशल फोर्सेज की मदद की और घेराबंदी के ठीक बाद पवित्र किया गया. केएसए केएसए की सेना को ट्रेनिंग देने से जुड़ी शर्तों का दायरा बढ़ाया गया. 1979: 1979 में मक्का की घेराबंदी के दौरान पकिस्तान ने सऊदी स्पेशल फोर्सेज की मदद की और घेराबंदी के ठीक बाद पवित्र किया गया. केएसए केएसए की सेना को ट्रेनिंग देने से जुड़ी शर्तों का दायरा बढ़ाया गया.

अमेरिका ने माइक्रोसॉफ्ट को ग्रीन कार्ड कार्यक्रम से निलंबित किया

प्रशासन लगातार अप्रवासियों के लिए अमेरिका में अपना टैलेंट देने के कानूनी रास्ते खोलने की कोशिश कर रहा है. यह उन हमलों में से एक और है. बता दें कि माइक्रोसॉफ्ट का मुख्यालय वाशिंगटन राज्य के रेडमंड में है. जयपाल ने कहा, ‘आप लीगल इमिग्रेशन पर हथौड़ा चलाकर टूटे हुए इमिग्रेशन सिस्टम को ठीक नहीं कर सकते।

उन्होंने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट बड़े इमिग्रेशन सुधारों की वकालत करने में लीडर रहा है, जो पुराने इमिग्रेशन सिस्टम को मॉडर्न बनाते हैं और दुनिया भर के इमिग्रेंट्स को यहां काम करने और अपने परिवारों के साथ रहने के लिए ज्यादा कम नहीं, कानूनी रास्ते देते हैं. जयपाल ने कहा कि परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन प्रोग्राम प्रोग्राम उन अनगिनत वर्कर के लिए रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड की ओर पहला कदम है जो इस देश में योगदान देना चाहते हैं. यह एक साफ प्रक्रिया बताता है जिसमें यह

पक्का करने के लिए कदम उठाए गए हैं कि इससे हमारी अर्थव्यवस्था को शुद्ध लाभ हो और अमेरिकी नौकरियों को नुकसान न हो.

जयपाल ने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था, हमारे समुदाय और हमारे परिवार कई सेक्टर में अप्रवासियों पर निर्भर हैं, जिसमें टेक सेक्टर भी शामिल है. उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन के इस कदम से इस सिर्फ उन वर्कर को एक मजबूत, स्थिर और अलग-अलग तरह का बेस बनाने की कोशिशों को नुकसान पहुंचाते हैं जिनके पास अमेरिका में आने और रहने के लिए कानूनी रास्ते हैं. साथ ही अमेरिकी वर्कर को बेईमान नियोक्ता से भी बचाते हैं. उन्होंने कहा कि इस तरह से माइक्रोसॉफ्ट या परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन प्रोग्राम को टारगेट करने से कानूनी आवाज कमजोर होता है और अमेरिका की नया करने की क्षमता कमजोर होती है।

नेपालमें बाढ़ से 1.66 अरब डॉलर का नुकसान, सबसे ज्यादा बुनियादी ढांचा प्रभावित : विश्व बैंक



काठमांडू , एंजेंसी। 26 अगस्त को नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ से भौतिक संपत्तियों को करीब 1.66 अरब अमेरिकी डॉलर का सीधा आर्थिक नुकसान हुआ। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस कुल नुकसान का 83 प्रतिशत हिस्सा बुनियादी ढांचे से जुड़ा है। भौतिक नुकसान को लेकर विश्व बैंक का अनुमान नेपाल सरकार की प्रारंभिक ‘रैपिड डैमेज एंड नीड्स असेसमेंट’ (आरडीएनए) रिपोर्ट के आंकड़ों से काफी मिलता-जुलता है। सरकार ने अपने शुरुआती आकलन में नुकसान करीब 1.81 अरब अमेरिकी डॉलर बताया था। आरडीएनए के अनुसार, भौतिक संपत्तियों के नुकसान के अलावा करीब 883.32 मिलियन डॉलर का अतिरिक्त नुकसान भी हुआ। इस तरह आपदा का कुल प्रभाव लगभग 2.7 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। इस सप्ताह जारी ‘नेपाल डेवलपमेंट अपडेट’ में शामिल विश्व बैंक के ‘ग्लोबल रैपिड पोस्ट-डिजास्टर डैमेज एस्टिमेशन’ (जीआरडीई) के अनुसार, सबसे ज्यादा 1.38 अरब डॉलर (83 प्रतिशत) का नुकसान बुनियादी ढांचे को हुआ। इसके बाद आवासीय भवनों को 185 मिलियन डॉलर (11 प्रतिशत)

और गैर-आवासीय भवनों को 101 मिलियन डॉलर (6 प्रतिशत) का नुकसान हुआ। भौतिकी और त्रिशूली नदियों में आई बाढ़ से जलविद्युत परियोजनाओं, सौर ऊर्जा सुविधाओं, बिजली ट्रांसमिशन लाइनों और परिवहन व्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचा। ऊर्जा क्षेत्र, खासकर जलविद्युत परियोजनाएं, सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में शामिल रहीं। अगस्त 2026 की बाढ़ से 12 जलविद्युत परियोजनाएं और एक सौर ऊर्जा परियोजना प्रभावित हुईं। इनमें 28.1 मेगावाट की चालू क्षमता और 395.02 मेगावाट की निर्माणधीन क्षमता शामिल थी। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रांसमिशन लाइनों और सबस्टेशनों को हुए नुकसान के कारण 149.6 मेगावाट बिजली राष्ट्रीय ग्रिड तक नहीं पहुंच पाई। इस तरह कुल प्रभावित क्षमता लगभग 430.7 मेगावाट रही, जो वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक नेपाल की कुल स्थापित जलविद्युत और सौर ऊर्जा क्षमता का लगभग 10.6 प्रतिशत है। बाढ़ से 82 किलोमीटर लंबे रसुवा व्यापार गलियारे (ट्रेड कोरिडोर) के 55 किलोमीटर से अधिक हिस्से को नुकसान हुआ, जबकि करीब 40 किलोमीटर सड़क पूरी तरह तबाह हो गईं।

दुर्गा पूजा से पहले बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा पर चिंता, अवामी लीग ने सरकार को घेरा

ढाका, एंजेंसी। बांग्लादेश की अवामी लीग ने गुरुवार को देशभर में रह रहे अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई। पार्टी ने सवाल उठाया कि जब एक पूरे हिंदू परिवार की हत्या हो सकती है और डेढ़ महीने बाद भी मामले में स्पष्ट जवाब नहीं मिलते, तो अल्पसंख्यकों की जिंदगी की क्या कीमत रह जाती है। पार्टी ने कहा कि ऐसे भय और असुरक्षा के माहौल में लोगों से कहा जा रहा है कि दुर्गा पूजा मनाई जाएगी, जबकि बांग्लादेश के मंदिरों में सजावट तक नहीं हो रही है। अवामी लीग के अनुसार, बच्चों ने नए कपड़े तक नहीं खरीदे हैं। पार्टी ने एक बुजुर्ग महिला के

हवाले से कहा, ‘भगवान ही जानते हैं कि आगे क्या होने वाला है।’ पार्टी ने कहा कि ऐसे माहौल में उत्सव की बात करना लोगों को भरोसा नहीं देता, बल्कि यह शर्म की बात है। अवामी लीग ने अगस्त में रंगपुर शहर में सेवानिवृत्त हिंदू शिक्षक गणपति चक्रवर्ती और उनके पूरे परिवार की हत्या का उल्लेख करते हुए कहा कि पुलिस के अनुसार यह मामला अब तक लगभग सुलझ जमा जा चुकिए था। पार्टी ने कहा, ‘लेकिन अब तक डीएनए जांच की रिपोर्ट नहीं आई है और घटनास्थल से जुटाए गए 35 अलग-अलग साक्ष्यों में से किसी की भी रिपोर्ट नहीं मिली है। वहीं, इलाके के लोग पुलिस की जांच



पर भरोसा नहीं जता रहे हैं। पीड़ित परिवार के रिश्तेदार भी इस बात को नहीं मानते कि केवल दो लोग, परिवार के चार सदस्यों की एक-एक करके गला घोटकर हत्या कर सकते थे। अवामी लीग ने सतारूड थो/एनपी सरकार और विपक्षी जमात-ए-इस्लामी को निशाने पर लेते हुए जांच की

तैनात है और वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति के बिना किसी को अंदर जाने की इजाजत नहीं है। इसके बावजूद जिला प्रशासन का कहना है कि सभी जरूरी सुरक्षा उपाय किए जा चुके हैं। अवामी लीग के मुताबिक, एक स्थानीय हिंदू ग्रुपिंग ने कहा कि उन्हें प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर पूरा भरोसा नहीं है। वहीं, एक स्थानीय निवासी ने कहा कि शुरुआत में इलाके में पुलिस और मौडिया की लगातार मौजूदगी थी, लेकिन अब सब चुप हो गए हैं और यही खामोशी सबसे बड़े सवाल खड़े करती है। पिछले सप्ताह अवामी लीग ने दावा किया था कि पिछले छह महीनों में अल्पसंख्यक समुदाय के 44

लोगों की मौत, मंदिरों और घरों पर हमले, सैकड़ों कथित मानवाधिकार उल्लंघन और रंगपुर में हिंदू परिवार के चार सदस्यों की हत्या जैसी घटनाओं ने अल्पसंख्यकों के बीच भय को और बढ़ा दिया है। पार्टी ने कहा, ‘प्रधानमंत्री तारिक रहमान की नई सरकार के लिए समानता के वादों की असली परीक्षा यह है कि कमजोर और संवेदनशील नागरिकों के साथ जमीन पर क्या हो रहा है। बांग्लादेश के धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यक 2026 में भी अपनी सुरक्षा को लेकर निताओं के साथ प्रवेश कर चुके हैं। सरकार बदलने से उनकी आशंकाएं खत्म नहीं हुई हैं।

वर्ष के चार नवरात्रों में चैत्र, आषाढ़, आश्विन और माघ की शुक्ल प्रतिपदा से नवमी तक नौ दिन के होते हैं, परंतु प्रसिद्धि में चैत्र और आश्विन के नवरात्र ही मुख्य माने जाते हैं। नवरात्र में देवी माँ के व्रत रखे जाते हैं। स्थान-स्थान पर देवी माँ की मूर्तियाँ बनाकर उनकी विशेष पूजा की जाती है। मान्यता है कि नवरात्र में महाशक्ति की पूजा कर श्रीराम ने अपनी खोई हुई शक्ति पाई, इसलिए इस समय आदिशक्ति की आराधना पर विशेष बल दिया गया है।

ऊर्जा का उत्सव नवरात्री



नवरात्रि एक हिंदू पर्व है। नवरात्रि संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ होता है नौ रातें। यह पर्व साल में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ़, आश्विन, पोषप्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातों में तीन देवियों – महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वतीया सरस्वतीकि तथा दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं। नौ देवियाँ है – श्री शैलपुत्री, श्री ब्रह्मचारिणी, श्री चंद्रघंटा, श्री कुष्मांडा, श्री स्कंदमाता, श्री कात्यायनी, श्री कालरात्रि, श्री महागौरी, श्री सिद्धिदात्री। शक्ति की उपासना का पर्व शारदेय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। सर्वप्रथम श्रीरामचंद्रजी ने इस शारदीय नवरात्रि पूजा का प्रारंभ समुद्र तट पर किया था और उसके बाद दसवें दिन लंका विजय के लिए प्रस्थान किया और विजय प्राप्त की। तब से असत्य, अधर्म पर सत्य, धर्म की जीत का पर्व दशहरा मनाया जाने लगा। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशः अलग-अलग पूजा की जाती है। माँ दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियाँ देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं। नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है। नवदुर्गा और दस महाविधाओं में काली ही प्रथम प्रमुख हैं। भगवान शिव की शक्तियों में उग्र और सौम्य, दो रूपों में अनेक रूप धारण करने वाली दस महाविधायें अनंत सिद्धियाँ प्रदान करने में समर्थ हैं। दसवें स्थान पर कमला वैष्णवी शक्ति हैं, जो प्राकृतिक संपत्तियों की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी हैं। देवता, मानव, दानव सभी इनकी कृपा के बिना पंगु हैं, इसलिए आगम-निगम दोनों में इनकी उपासना समान रूप से वर्णित है। सभी देवता, राक्षस, मनुष्य, गंधर्व इनकी कृपा-प्रसाद के लिए लालायित रहते हैं।

प्रमुख कथा

लंका-युद्ध में ब्रह्माजी ने श्रीराम से रावण वध के लिए चंडी देवी का पूजन कर देवी को प्रसन्न करने को कहा और बताए अनुसार चंडी पूजन और हवन हेतु दुर्लभ एक सी आठ नीलकमल की व्यवस्था की गई। वहीं दूसरी ओर रावण ने भी अमरता के लोभ में विजय कामना से चंडी पाठ प्रारंभ किया। यह बात इंद्र देव ने पवन देव के माध्यम से श्रीराम के

पास पहुँचाई और परामर्श दिया कि चंडी पाठ यथासंभव पूर्ण होने दिया जाए। इधर हवन सामग्री में पूजा स्थल से एक नीलकमल रावण की मायावी शक्ति से गायब हो गया और राम का संकल्प टूटता-सा नजर आने लगा। भय इस बात का था कि देवी माँ रुष्ट न हो जाएँ। दुर्लभ नीलकमल की व्यवस्था तत्काल असंभव थी, तब भगवान राम को सहज ही स्मरण हुआ कि मुझे लोग कमलनयन नवकंच लोचन कहते हैं, तो क्यों न संकल्प पूर्ति हेतु एक नेत्र अर्पित कर दिया जाए और प्रभु राम जैसे ही तृणीर से एक बाण निकालकर अपना नेत्र निकालने के लिए तैयार हुए, तब देवी ने प्रकट हो, हाथ पकड़कर कहा- राम मैं प्रसन्न हूँ और विजयश्री का आशीर्वाद दिया। वहीं रावण के चंडी पाठ में यज्ञ कर रहे ब्राह्मणों की सेवा में ब्राह्मण बालक का रूप धर कर हनुमानजी सेवा में जुट गए। निःस्वार्थ सेवा देखकर ब्राह्मणों ने हनुमानजी से वर माँगने को कहा। इस पर हनुमान ने विनम्रतापूर्वक कहा- प्रभु, आप प्रसन्न हैं तो जिस मंत्र से यज्ञ कर रहे हैं, उसका एक अक्षर मेरे कहने से बदल दीजिए। ब्राह्मण इस रहस्य को समझ नहीं सके और तथारुत कह दिया। मंत्र में जयादेवी... भूर्तिहरिणी में ह के स्थान पर क उच्चारित करें, यही मेरी इच्छा है। भूर्तिहरिणी यानी कि प्राणियों की पीड़ा हरने वाली और करिणी का अर्थ हो गया प्राणियों को पीड़ित करने वाली, जिससे देवी रुष्ट हो गई और रावण का सर्वनाश करवा दिया। हनुमानजी महाराज ने श्लोक में ह की जगह क करवाकर रावण के यज्ञ की दिशा ही बदल दी।

अन्य कथाएं

इस पर्व से जुड़ी एक अन्य कथा अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा। और प्रत्याशित प्रतिफल स्वरूप महिषासुर ने नरक का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए हैं और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पुथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा है। तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की। ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था। महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने अस्त्र देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गई थी। इन नौ दिन देवी-महिषासुर संग्राम हुआ और अन्ततः महिषासुर-वध कर महिषासुर मर्दिनी कहलायी।

निर्माणाधीन मूर्तियां

चौमासे में जो कार्य स्थगित किए गए होते हैं, उनके आरंभ के लिए साधन इसी दिन से जुटाए जाते हैं। क्षत्रियों का यह बहुत बड़ा पर्व है। इस दिन ब्राह्मण सरस्वती-पूजन तथा क्षत्रिय शस्त्र-पूजन आरंभ करते हैं। विजयादशमी या दशहरा एक राष्ट्रीय पर्व है। अर्थात आश्विन शुक्ल दशमी को सायंकाल तारा उदय होने के समय विजयकाल रहता है। यह सभी कार्यों को सिद्ध करता है। आश्विन शुक्ल दशमी पूर्वविद्धा निषिद्ध, परविद्धा शुद्ध और श्रवण नक्षत्रयुक्त सूर्योदयव्यापिनी सर्वश्रेष्ठ होती है। अपराह्न काल, श्रवण नक्षत्र तथा दशमी का प्रारंभ विजय यात्रा का मुहूर्त माना गया है। दुर्गा-विसर्जन, अपराजिता पूजन, विजय-प्रयाग, शमी पूजन तथा नवरात्र-पारण इस पर्व के महान कर्म हैं। इस दिन संध्या के समय नीलकण्ठ पक्षी का दर्शन शुभ माना जाता है। क्षत्रिय/राजपूतों इस दिन प्रातः स्नानादि नित्य कर्म से निवृत्त होकर संकल्प मंत्र लेते हैं। इसके पश्चात देवताओं, गुरुजन, अस्त्र-शस्त्र, अश्व आदि के यथाविधि पूजन की परंपरा है।

चौथे दिन इन्हें वस्त्र देने का महत्व है लेकिन सामर्थ्य अनुसार रुमाल या रंगबिरंगे रीबन दिए जा सकते हैं।

- पांचवे दिन देवी से सौभाग्य और संतान प्राप्ति की मनोकामना की जाती है। अतः कन्याओं को पांच प्रकार की श्रृंगार सामग्री देना अत्यंत शुभ होता है। इनमें बिंदिया, चुड़ी, मेहदी, बालों के लिए विलप्स, सुगंधित साबुन, काजल, नेलपॉलिश, टैल्कम पावडर इत्यादि हो सकते हैं।
- छठे दिन बच्चियों को खेल-सामग्री देना चाहिए। आजकल बाजार में खेल सामग्री की अनेक वैरायटी उपलब्ध है। पहले यह रिवाज पांच, रस्सी और छोटे-मोटे खिलौनों तक सीमित था। अब तो ढेर सारे विकल्प मौजूद हैं।
- सातवा दिन मां सरस्वती के आह्वान का होता है। अतः इस दिन कन्याओं को शिक्षण सामग्री दी जानी चाहिए। आजकल स्टेशनरी बाजार में विभिन्न प्रकार के पेन, स्केच पेन, पेंसिल, कॉपी, ड्राईंग बुक्स, कपास, वाटर बॉटल, कलर बॉक्स, लंच बॉक्स उपलब्ध है।
 - आठवां दिन नवरात्रि का सबसे पवित्र दिन माना जाता है। इस दिन अगर कन्या का अपने हाथों से श्रृंगार किया जाए तो देवी विशेष आशीर्वाद देती है। इस दिन कन्या के दूध से पैर पूजने चाहिए। पैरों पर अक्षत, फूल और कुंकुम लगाना चाहिए। इस दिन कन्या को भोजन कराना चाहिए और यथासामर्थ्य कोई भी भेट देनी चाहिए। हर दिन कन्या-पूजन में दक्षिणा अवश्य दें।
 - नौवें दिन खीर, ग्वारफली और दूध में गूथी पूरियां कन्या को खिलानी चाहिए। उसके पैरों में मझार और हाथों में मेहदी लगाने से देवी पूजा संपूर्ण होती है। अगर आपने घर पर हवन का अयोजन किया है तो उसके नन्हें हाथों से उसमें समिधा अवश्य डलवाएं। उसे इलायची और पान का सेवन कराएं।



कैसे करें घट स्थापना

आश्विन शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शारदीय नवरात्रि की धूम नौ दिनों तक रहेगी। इन दिनों मां भगवती के नौ रूपों का पूजन-अर्चन होगा। आइए जानते हैं घटस्थापना कैसे करें –

- घटस्थापना हमेशा शुभ मुहूर्त में करनी चाहिए।
- नित्य कर्म और ज्ञान के बाद ध्यान करें।
- इसके बाद पूजन स्थल से अलग एक पाटे पर लाल व सफेद कपड़ा बिछाएं।
- इस पर अक्षत से अष्टदल बनाकर इस पर जल से भरा कलश स्थापित करें।
- इस कलश में शतावरी जड़ी, हलकुंड, कमल गट्टे व रजत का सिकावा डालें।
- दीप प्रज्ज्वलित कर इष्ट देव का ध्यान करें।
- तत्पश्चात देवी मंत्र का जाप करें।
- अब कलश के सामने गेहूं व जौ को मिट्टी के पात्र में रोंपें।
- इस ज्वारे को माताजी का स्वरूप मानकर पूजन करें।
- अंतिम दिन ज्वारे का विसर्जन करें।



नवरात्रि के चमत्कारिक दिव्य मंत्र

वर्तमान में मनुष्य ने अपने जीवन को इतनी आवश्यकताओं से घेर लिया है कि वह उनमें ही उलझा रहता है। ऐसे मनुष्यों के लिए समस्याओं को हल करने के लिए सरलतम मंत्र दे रहे हैं। जो नवरात्रि में करने से सफलता मिलती है एवं समस्या से छुटकारा मिलता है। ऐसे पावन नौ दिनों के लिए दिव्य मंत्र दिए जा रहे हैं, जिनके विधिवत परायण करने से स्वयं के नाना प्रकार के कार्य व सामूहिक रूप से दूसरों के कार्य पूर्ण होते हैं। इन मंत्रों को नौ दिनों में अवश्य जाप करें। इनसे यश, सुख, समृद्धि, पराक्रम, वैभव, बुद्धि, ज्ञान, सेहत, आयु, विद्या, धन, संपत्ति, ऐश्वर्य सभी की प्राप्ति होती है। विपत्तियों का नाश होगा।

विपत्ति-नाश के लिए

शरणागतदीनार्तपरित्राणपरायणे।
सर्वस्पापहरे देवि नारायणि नमोस्तुते॥

भय नाश के लिए

सर्वस्वरूपे सर्वेश सर्वशक्तिसमन्विते।
भयेभ्यस्त्राहि नो देवि, दुर्गे देवि नमोस्तुते॥

पाप नाश तथा

भक्ति की प्राप्ति के लिए

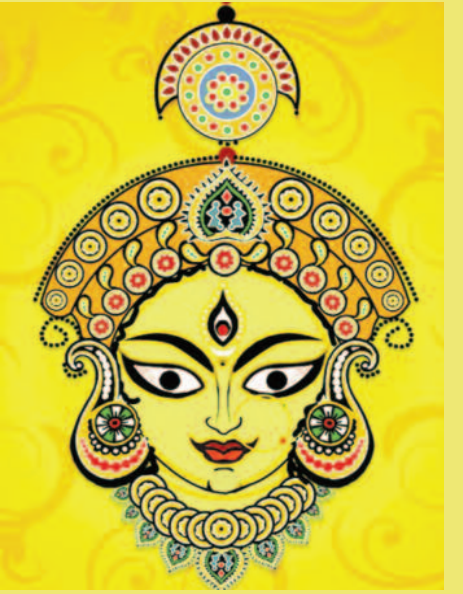
नमोभ्य सर्वदा भक्त्या चण्डिके दुरितापहे।
रुपं देहि जयं देहि यशो देहि द्विषो जहि॥

हर प्रकार के कल्याण के लिए

सर्वमंगल्यमांगल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके।
शरण्ये त्वंबके गोरी नारायणि नमोस्तुते॥

धन, पुत्रादि प्राप्ति के लिए

सर्वबाधाविनिर्मुक्तो-धनधान्यसुतान्वित
मनुष्यो मत्प्रसादेन भविष्यति न संशयः॥



रक्षा पाने के लिए

शूलेन पाहि नो देवि पाहि खंडे न चाम्बिके।
घण्टास्वनेन न पाहि चापज्यानि स्वनेन च॥

मोक्ष की प्राप्ति के लिए

त्वं वैष्णवी शक्तिरन्तर्वीर्या।
विश्वस्य बीजं परमासि माया।
सम्मोहितं देवि समस्तमेत
त्वं वै प्रसन्ना भूवि मुक्ति हेतु॥

बाधा व शांति के लिए

सर्वबाधाप्रमशन त्रैलोक्याखिलेश्वरि।
एवमेव त्वया कार्यमस्यद्वैरिविनाशत्रम॥

सुलक्षणा पत्नी की प्राप्ति के लिए

पत्नी मनोरमां देहि मनोवृत्तानुसारिणीम
तारिणी दुर्गसंसारसागरस्य कुलोद्भवाम॥

नौ दिन कैसे करें कन्या-पूजन

नवरात्रि यानी सौन्दर्य के मुखरित होने का पर्व। नवरात्रि यानी उमंग से खिल-खिल जाने का पर्व। कहते हैं, नौ दिनों तक दैवीय शक्ति मनुष्य लोक के भ्रमण के लिए आती है। इन दिनों की गई उपासना-आराधना से देवी भक्तों पर प्रसन्न होती है। लेकिन पुराणों में वर्णित है कि मात्र श्लोक-मंत्र-उपवास और हवन से देवी को प्रसन्न नहीं किया जा सकता। इन दिनों 2 से लेकर 5 वर्ष तक की नन्ही कन्याओं के पूजन का विशेष महत्व है। नौ दिनों तक इन नन्ही कन्याओं को सुंदर गिफ्ट्स देकर इनका दिल जीता जा सकता है। इनके माध्यम से नवदुर्गा को भी प्रसन्न किया जा सकता है। पुराणों की दृष्टि से नौ दिनों तक कन्याओं को एक विशेष प्रकार की भेट देना शुभ होता है।

- प्रथम दिन इन्हें फूल की भेंट देना शुभ होता है। साथ में कोई एक श्रृंगार सामग्री अवश्य दें। अगर आप मां सरस्वती को प्रसन्न करना चाहते हैं तो श्वेत फूल अर्पित करें। अ ग र आ प के

दिल में कोई भौतिक कामना है तो लाल पुष्प देकर इन्हें खुश करें। (उदाहरण के लिए - गुलाब, चंपा, मोगरा, गेंदा, गुडहल)

- दूसरे दिन फल देकर इनका पूजन करें। यह फल भी सांसारिक कामना के लिए लाल अथवा पीला और वैराग्य की प्राप्ति के लिए केला या श्रीफल हो सकता है। याद रखें कि फल खट्टे ना हो।

- तीसरे दिन मिठाई का महत्व होता है। इस दिन अगर हाथ की बनी खीर, हलवा या केशरिया चावल बना कर खिलाए जाएं तो देवी प्रसन्न होती है।



जनसमस्याओं का समयबद्ध समाधान करें अधिकारी नवरात्र में मांस की दुकानें बंद रखने की मांग

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जनसमस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम जनता को अपने कार्यों के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का समाधान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जनसेवा का महत्वपूर्ण दायित्व है। प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उसके निस्तारण के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शनिवार को देहरादून के तपोवन रोड स्थित क्षत्रिय चेतना मंच में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में प्रतिभागर कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया और अधिकारियों से योजनाओं के निम्नान्वयन तथा आम जनता को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों को कृषि यंत्र, मशरूम



मिनीकित तथा बाल विकास विभाग की महालक्ष्मी एवं किशोरी कित वितरित की। **जनता के बीच पहुंचकर समस्याओं का समाधान करें प्रशासन**
मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य जनसेवा को मजबूत करना, सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना और आम जनता की समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया गया। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि शासन और प्रशासन स्वयं जनता के बीच पहुंचें, उनकी समस्याओं को समझे और यथासंभव मौके पर ही समाधान की कार्रवाई सुनिश्चित करें।

चीरबासा में मलबा आने से तीन घंटे रोकी केदारनाथ यात्रा



फाटा/रुद्रप्रयाग। केदारनाथ पैदल मार्ग पर चीरबासा में मलबा और पत्थर आने से शनिवार सुबह छह बजे से नौ बजे तक यात्रियों की आवाजाही रोकनी पड़ी। सुरक्षा के मद्देनजर गौरीकुंड और सोनप्रयाग में यात्रियों को रोका गया। सुबह नौ बजे

मार्ग खुलने के बाद आवाजाही सुचारु करा दी गई। बीते दिन हुई तेज बारिश के बाद रात में अवरोद्ध हो गया था। सुबह मार्ग की स्थिति का जायजा लेने के बाद प्रशासन ने यात्रियों को आगे बढ़ने से रोक दिया। मार्ग खुलने पर केदारनाथ से लौट रहे और धाम की ओर जा रहे यात्रियों को सुरक्षा कर्मियों की मौजूदगी में चीरबासा के संवेदनशील हिस्से से आर-पार कराया गया। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने चीरबासा सहित पूरे पैदल मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि आपदा की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों का विस्तृत आकलन किया जाएगा। सोनप्रयाग कोतवाली प्रभारी सुरेश चंद्र बलुनी ने बताया कि मार्ग खुलने के बाद यात्रियों की आवाजाही शुरू करा दी गई।

संक्षिप्त समाचार तेजाब फेंकने की धमकी देने का आरोपी दोषमुक्त

ऋषिकेश। युवती को धमकाने, जबरन कार में बैठाने, अभद्र व्यवहार करने और चेहरे पर तेजाब डालने की धमकी देने के आरोपों से जुड़े मामले में प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश कंवर अमर्निंदर सिंह की अदालत ने आरोपी आफाक को दोषमुक्त कर दिया है। अदालत ने अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों का परीक्षण करने के बाद माना कि आरोपों को संदेह से परे साबित नहीं किया जा सका।कोतवाली ऋषिकेश में 12 जुलाई 2021 को एक युवती ने शिकायत दर्ज कराई थी। युवती ने पुलिस को बताया कि एम्स ऋषिकेश में अटेंडेंट के पद पर कार्यरत थी। उसने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया था कि आफाक खान निवासी लबींग हरिद्वार उसे करीब पांच वर्षों से परेशान कर रहा था। आरोपी बार-बार फोन करता था और मना करने पर जान से मारने व चेहरे पर तेजाब डालने की धमकी देता था।शिकायत में आरोप लगाया गया था कि नौ जुलाई 2021 की रात करीब साढ़े आठ बजे अस्पताल से ड्यूटी समाप्त कर कमरे पर लौटते समय शिवाजीनगर के पास एक कार ने उसका पीछा किया। आरोप के मुताबिक, कार चला रहे आफाक ने उसे जबरन वाहन के अंदर खींच उसके साथ अभद्रता की और चेहरे पर तेजाब डालने की धमकी भी दी। दोनों पक्षों की बहस सुनने व अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों का परीक्षण करने के बाद के बाद प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश कंवर अमर्निंदर सिंह की अदालत ने माना कि आरोपों को संदेह से परे साबित नहीं किया जा सका और आरोपी आफाक को दोषमुक्त करार दिया।

एम्स के सुरक्षा कर्मियों पर एएनएस को पीटने का आरोप

ऋषिकेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश में देर रात आईडी कार्ड मांगे जाने पर विवाद हो गया। मामले में एक सहायक नर्सिंग अधीक्षक (एएनएस) ने सुरक्षा कर्मियों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। घटना के संबंध में दोनों पक्षों की ओर से शिकायत दिए जाने की जानकारी सामने आई है। जानकारी के अनुसार, बीते 8 सितंबर की देर रात एम्स के ब्लॉक-बी में तैनात एक सहायक नर्सिंग अधीक्षक ड्यूटी समाप्त कर लौट रहे थे। इसी दौरान आईडी कार्ड के संबंध में उनकी सुरक्षा कर्मियों से कहासुनी हो गई। एएनएस ने आरोप लगाया कि विवाद के दौरान सुरक्षा कर्मियों ने उनके साथ मारपीट की। इस संबंध में उन्होंने चिकित्साधीक्षक कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है। घटना के बाद संस्थान की सुरक्षा व्यवस्था और कर्मचारियों के बीच समन्वय पर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि इससे पहले भी एम्स के कुछ सुरक्षा कर्मियों पर तीमारदारों और अन्य कर्मचारियों के साथ मारपीट करने के आरोप लगा चुके हैं। ऐसी घटनाओं से जुड़े वीडियो भी पूर्व में सोशल मीडिया पर प्रसारित हुए हैं।

अगस्त्यमुनि में धूल से बढ़ रही लोगों की परेशानी



अगस्त्यमुनि। नगर पंचायत के बाजार में उड़ रही धूल से परेशान स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ रही है। यह धूल बच्चों व बुजुर्गों की सेहत को खराब बना रही है। लोगों संबंधित विभाग से सड़कों पर नियमित पानी का छिड़काव कराने की मांग की है।

लोगों ने कहा कि वाहनों की आवाजाही से उड़ने वाली धूल दुकानों के भीतर तक पहुंच रही है। इससे जहां व्यापारियों का सामान खराब हो रहा है, वहीं बाजार आने वाले बुजुर्गों और बच्चों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका बनी हुई है। धूल से बचने के लिए लोगों को मास्क का सहारा लेना पड़ रहा है। व्यापारी कमलेश जमलोकी ने बताया कि सड़क पर वाहनों के चलने से धूल उड़कर दुकानों के अंदर तक पहुंच रही है। इससे दुकान में रखे सामान को खराब होने का खतरा बना रहता है। धूल को रोकने के लिए उन्हें दुकान के आगे प्लास्टिक लगानी पड़ रही है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत विभिन्न क्षेत्रों में नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है और विकसित भारत के संकल्प की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी भावना के अनुरूप उत्तराखंड सरकार भी जनभागीदारी और सुशासन को बढ़ावा देते हुए जनता की समस्याओं के समाधान के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पूर्व में संचालित जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के दो चरणों में 6.5 लाख से अधिक लोगों ने भागीदारी की। इस अभियान के माध्यम से लोगों की समस्याओं के समाधान के साथ ही पात्र नागरिकों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया गया। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि शासन और प्रशासन स्वयं जनता के बीच पहुंचें, उनकी समस्याओं को समझे और यथासंभव मौके पर ही समाधान की कार्रवाई सुनिश्चित करें।

ढोल—नगाड़ों के साथ दून पुलिस ने आदतन अपराधी को किया जिला बदर

देहरादून। राजधानी देहरादून में अपराधियों के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। एसएसपी देहरादून के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना नेहरू कॉलोनी पुलिस ने गुण्डा अधिनियम के अंतर्गत एक आदतन अपराधी को छह माह के लिए जिला बदर कर दिया। पुलिस ने ढोल-नगाड़े बजाकर और लाउडस्पीकर के माध्यम से मुनादी कराते हुए आरोपी को जनपद की सीमा से बाहर छोड़ा। पुलिस के अनुसार, थाना नेहरू कॉलोनी क्षेत्र के माता मंदिर रोड, मोथरोवाला निवासी आशीष रंगड़ पुत्र प्रताप सिंह रंगड़ के विरुद्ध मारपीट, लड़ाई-झगड़े और अन्य आपराधिक गतिविधियों से संबंधित कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने उसके आपराधिक इतिहास और क्षेत्र में शांति बलून कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिला बदर की कार्रवाई की संस्तुति की थी।



जिलाधिकारी के आदेश पर हुई कार्रवाई पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध उत्तराखंड गुण्डा नियंत्रण अधिनियम की धारा 3(1) के तहत रिपोर्ट तैयार कर जिलाधिकारी देहरादून को

भेजी गई थी। मामले का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने आरोपी को छह माह के लिए जिला बदर करने के आदेश जारी किए। इन आदेशों के अनुपालन में 10 अक्टूबर 2026 को थाना नेहरू कॉलोनी पुलिस ने आरोपी को सहासनपुर, उत्तर प्रदेश की सीमा तक पहुंचाकर जनपद देहरादून से बाहर किया। इस दौरान ढोल-नगाड़ों और लाउडस्पीकर के जरिए सार्वजनिक रूप से मुनादी भी कराई गई।

जल जीवन मिशन के टेंडर लेने को नहीं मिल रहे ठेकेदार

नई टिहरी। जल जीवन मिशन में भुगतान फंसने के कारण ठेकेदार नया काम करने के लिए संकेत से जुड़ा रहे ग्रामीण लंबे आगे नहीं आ रहे हैं। जिससे विभाग के सामने मिशन का अवशेष काम करना मुश्किल हो रहा है। ठेकेदार नहीं मिलने के कारण जल संस्थान को काणाताल पंपिंग पेयजल योजना का सुदृढ़ीकरण कार्य की निविदा तीसरी बार निकालनी पड़ी। इस कार्य के तहत चंबा ब्लॉक के आरकोट गांव को पेयजल योजना से आच्छादित किया जाना है। संस्थान ने 21 अक्टूबर तक निविदा आमंत्रित की है। चंबा-मसुरी फल पट्टी क्षेत्र में काणाताल और सुकंडा पंपिंग पेयजल योजना बनी हुई है। बावजूद ग्राम आरकोट के 36 दूसरी बार आए एक ठेकेदार ने परिचार वर्षों से पेयजल समस्या से जुड़ा रहे हैं। इन परिवारों की

पेयजल व्यवस्था गांव से दूर लगे एक हंडपंप के भरोसे है। पानी के संकेत से जुड़ा रहे ग्रामीण लंबे समय से वंचित परिवारों को पंपिंग पेयजल योजना से जोड़ने की मांग करते आ रहे हैं लेकिन अभी तक उन्हें पानी नसीब नहीं हो पाया है। इन परिवारों को काणाताल पंपिंग पेयजल योजना से जोड़ने के लिए जल संस्थान को जल जीवन मिशन में 30 लाख रुपये की स्वीकृति मिली है लेकिन संस्थान को अब ठेकेदार नहीं मिल रहे हैं। बताया गया कि इससे पहले भी विभाग ने दो बार निविदा आमंत्रित की थी लेकिन जल जीवन मिशन में कई ठेकेदारों का भुगतान फंसने से किसी ठेकेदार ने मिशन का काम करने के लिए टेंडर नहीं डाला। दूसरी बार आए एक ठेकेदार ने कुल लागत का 60 प्रतिशत अधिक पैसा मांगा।

यमुना नदी में अवैध खनन पर खनन विभाग का शिकंजा, ट्रैक्टर—ट्रॉली सीज

विकासनगर (देहरादून)। यमुना नदी में अवैध खनन के खिलाफ खनन विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। विकासनगर क्षेत्र में छापेमारी के दौरान अवैध खनन में लिपट एक ट्रैक्टर—ट्रॉली को सीज किया गया। कार्रवाई के दौरान चालक ने वाहन लेकर भागने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। जिलाधिकारी के निर्देश पर सहायक खनिज पर्यवेक्षक शिव नेगी के नेतृत्व में खनन विभाग की टीम ने यह कार्रवाई की। पकड़े गए ट्रैक्टर—ट्रॉली को सीज कर विकासनगर कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। वाहन पर 24 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। **उपखनिज भंडारण का ई—रक्बा पोर्टल अस्थायी रूप से बंद**
खनन विभाग की कार्रवाई के दौरान एक उपखनिज भंडारण स्थल पर अनियमितताएं भी सामने आईं। इसके बाद संबंधित भंडारण का ई—रक्बा पोर्टल अस्थायी रूप से बंद कर दिया



गया। विभाग की इस कार्रवाई को अवैध खनन और खनिजों के परिवहन पर अंकुश लगाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। **लगतार कार्रवाई से अवैध खनन पर लगगी लगाम?**
यमुना नदी और आसपास के क्षेत्रों में अवैध

लापता रेशमा देवी की तलाश तेज करने के निर्देश

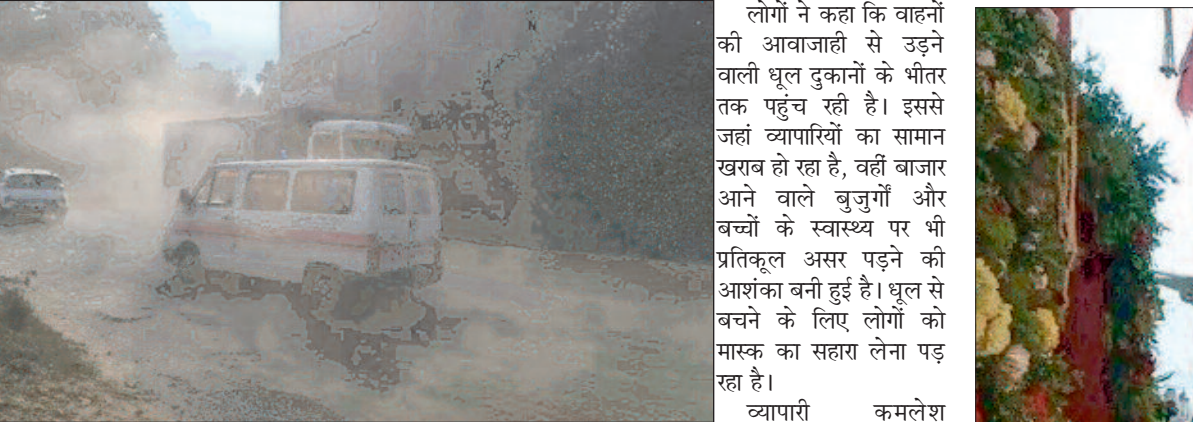
टिहरी गढ़वाल। उत्तराखंड के टिहरी जिले के प्रतापनगर क्षेत्र से लापता रेशमा देवी की तलाश को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गंभीरता दिखाई है। मुख्यमंत्री ने मामले का संज्ञान लेते हुए टिहरी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (रख) से फोन पर बातचीत कर अब तक की गई कार्रवाई और जांच की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने पुलिस एवं संबंधित अधिकारियों को रेशमा देवी की जल्द से जल्द सकुशल तलाश सुनिश्चित करने के लिए गंभीरता और तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। तलाश में किसी भी स्तर पर न हो लापरवाही मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से मामले के सभी संभावित पहलुओं की बारीकी से जांच करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि रेशमा देवी का पता लगाने के लिए उपलब्ध सभी जानकारी का विश्लेषण किया जाए और जरूरत के अनुसार तकनीकी एवं वैज्ञानिक संसाधनों का प्रभावी उपयोग किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए और तलाश के प्रयासों में तेजी लाई



जाए। **परिजनों को जांच की प्रगति से अवगत कराने के निर्देश**
मुख्यमंत्री धामी ने अधिकारियों को रेशमा देवी के परिजनों के संपर्क में रहने और उन्हें जांच की प्रगति की जानकारी समय-समय पर

उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति के अचानक लापता होने की घटना उसके परिवार के लिए बेहद कठिन और पीड़ादायक होती है। ऐसे मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करना आवश्यक है। **मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप के बाद तलाश पर विशेष जोर**
रेशमा देवी के लापता होने का मामला मुख्यमंत्री तक पहुंचने के बाद पुलिस की जांच और तलाश के प्रयासों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया है कि राज्य सरकार इस मामले में आवश्यक सहयोग करेगी। अब पुलिस और प्रशासन के सामने रेशमा देवी का जल्द से जल्द पता लगाने, उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ाने और परिजनों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। परिजनों को उम्मीद है कि पुलिस के प्रयासों से जल्द ही रेशमा देवी के संबंध में जानकारी मिल सकेगी।

शारदीय नवरात्र पर सजा माता का दर्बार



गुप्तकाशी। जनपद की केदारघाटी क्षेत्र में स्थित कालीमठ धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है। मां काली को समर्पित यह प्राचीन सिद्धपीठ देशभर के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। शारदीय नवरात्र में यहां विशेष पूजा-अर्चना होती है और मां के दर्शन के लिए दूरदराज से श्रद्धालु पहुंचते हैं। आचार्य सुरेशानंद गौड़ ने बताया कि कालीमठ में मां काली ने रक्तबीज नामक राक्षस का संहार किया था।



यहां मां काली, मां लक्ष्मी और मां सरस्वती की विशेष महत्ता है। यहां मां काली की प्रतिमा के बजाय भूमिगत कुंड की पूजा-अर्चना की जाती है। मंदिर की धार्मिक परंपराओं के अनुसार, अष्टमी तिथि की मध्यरात्रि में मंदिर के गर्भगृह स्थिति कुंड जो चांदी की प्लेट से ढका रहता है वो खोला जाता है और इसकी विशेष पूजा का विधान है। नवरात्र के दौरान मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं। इस अवसर पर स्थानीय लोगों की भागीदारी भी बढ़ जाती है। कालीमठ क्षेत्र की धार्मिक परंपराएं और मान्यताएं इसे केदारघाटी के प्रमुख तीर्थस्थलों में विशिष्ट स्थान दिलाती हैं। काली मठ ग्राम प्रधान प्रदीप शणा बताते हैं कि काली मठ मंदिर जहां बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अधीन है वहीं कालीमठ कविल्दा देशवाल ह्यूण शेरसी तथा व्यूखी यहां के हक-हकूकधारी हैं।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

एनरिक नॉर्टजे ने कहा-मेरा समय और हालात सही नहीं रहे

नई दिल्ली । तीन साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्टजे ने अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किस्मिी ड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद नॉर्टजे ने टेस्ट क्रिकेट को खेल का सबसे बेहतरीन और चुनौतीपूर्ण फॉर्मेट बताया। नॉर्टजे ने आखिरी बार 2023 में सेंचुरियन में वेस्टइंडीज के खिलाफ साउथ अफ्रीका के लिए टेस्ट मैच खेला था। पहले टेस्ट के शुरुआती दिन उन्होंने दो विकेट लिए और मेजबान टीम को ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 187/6 पर रोकने में मदद की, जिसके बाद शुक्रवार को खराब रोशनी और बारिश के कारण खेल जल्दी खत्म करना पड़ा। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने एक ही ओवर में एलेक्स कैरी (14) और ब्यू वेबस्टर



(4) को आउट किया, जिससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 124/6 हो गया। फिटनेस की समस्याओं और मौकों के हाथ से निकल जाने के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद नॉर्टजे टेस्ट टीम में लौटे हैं। 'क्रिकइंफो' के अनुसार, नॉर्टजे ने कहा, 'मैं हमेशा से टेस्ट खेलना चाहता था। मगर मौके, समय और हालात हमेशा सही नहीं रहे। जाहिर है कि कुछ समस्याओं के कारण चीजें हमेशा वैसी नहीं हुईं जैसी होनी चाहिए थीं।' टेस्ट क्रिकेट में वापसी की अपनी पिछली कोशिशों को याद करते हुए एनरिक नॉर्टजे ने उस चोट का जिक्र किया, जिसने उनकी राह मुश्किल बना दी थी। तेज गेंदबाज ने बताया कि पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के दौरान लगी चोट की वजह से वह लंबे समय तक मैदान से दूर रहे

और टेस्ट टीम में वापसी की उनकी योजनाएं प्रभावित हुईं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज के सबसे करीब पहुंचा था। वनडे मैचों के दौरान मेरे पैर की उंगली टूट गई थी, जब डेविड नेट्स में मुझे रिवर्स स्विंग गेंदें फेंक रहे थे। तो हां, अतीत में ऐसा मौका आया था। आखिरकार सब कुछ ठीक हो गया और मैं मैदान पर वापस आ सका, देश के लिए फिर से खेल सका, खासकर टेस्ट कैप पहनकर। घर पर खड़े-खड़े यह थोड़ी पुरानी हो गई है।' नॉर्टजे ने कहा कि उन्हें टेस्ट क्रिकेट की शारीरिक चुनौतियों का सामना करना पसंद है, खासकर लंबे समय तक लगातार गेंदबाजी करते हुए विकेट लेने की चुनौती। उन्होंने कहा, 'मुझे कड़ी मेहनत करना पसंद है।

बीबीएल मैच की टिकट ब्रिकी शुरू

पर्थ स्कॉर्चर्स से होगी मेलबर्न रेनगेइस की भिड़ंत

मेलबर्न । मेलबर्न रेनेगेइस और पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होने वाले ऐतिहासिक बिग बैश लीग (बीबीएल) सीजन 16 के ओपनिंग मैच के टिकट शनिवार से ब्रिकी के लिए उपलब्ध हो गए हैं। शुरुआती दौर के टिकट भारत में 'डिस्ट्रिक्ट बाय जोमेटी' वेबसाइट पर उपलब्ध हैं और आने वाले दिनों में और टिकट भी जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, 4 या 12 दिन के इंटरनेशनल ट्रेवल पैकेज भी ब्रिकी के लिए उपलब्ध हैं, जिनमें मैच के टिकट और बिग बैश लीग का मर्चेन्डाइज शामिल है। इन पैकेजों को ख़ास तौर पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ट्रेवल ऑफिस ने तैयार किया है। 12 दिसंबर को होने वाला यह मैच ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला मैच बन सकता है। बिग बैश लीग एक ऐसे स्टेडियम में फैस के लिए शानदार अनुभव पेश करने की तैयारी कर रही है, जिसने पहले भी कई यादगार क्रिकेटिंग पल देखे हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बिग बैश लीग्स के एजीक्यूटिव जनरल मैनेजर एलिस्टर डॉब्सन ने शनिवार को एक बयान में कहा, 'ख़ाखच भरा स्टेडियम ही बीबीएल की असली पहचान है, और हम चेन्नई में बिग बैश का एक हिस्सा लाने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

होप के कायल हुए पीटरसन

आईपीएल नीलामी को लेकर दी सलाह, जमकर की सराहना

नई दिल्ली, एजेसी। वेस्टइंडीज ने शुक्रवार को रांची में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में भारत के बनाए 249 रन के जवाब में 252 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीत लिया। कप्तान शाई होप ने 45 गेंद पर नाबाद 102 रन की पारी खेल इस जीत में अहम और यादगार भूमिका निभाई। टी20 में वेस्टइंडीज का यह सबसे बड़ा रन चेज था। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने होप की विस्फोटक शतकीय पारी की जमकर तारीफ की और कहा कि अब उन्हें आईपीएल नीलामी में शामिल होना चाहिए।

केविन पीटरसन ने होप के लिए ये लिखा...

पीटरसन ने एक्स पर लिखा, 'अगर शाई होप अपना नाम मिनी आईपीएल ऑक्शन में डालते हैं, तो उनके लिए कुछ अच्छा हो सकता है।' होप के 45 गेंदों पर नाबाद 102 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने 18.3 ओवर में चार विकेट पर 252 रन बनाए। इस जीत के साथ सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। वेस्टइंडीज के कप्तान होप अपनी पारी में आक्रामक होने के साथ ही काफी नियंत्रित दिखे। उन्हें शेरफेन रदरफोर्ड का बहुत अच्छा साथ मिला। रदरफोर्ड ने 37 गेंदों पर 84 रन बनाए और होप के साथ 120 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी ने मैच का रुख बदल दिया। होप के प्रदर्शन ने टी20 क्रिकेट की जरूरतों के हिसाब से अपने खेल को ढालने की उनकी काबिलियत की याद दिलाई। रदरफोर्ड ने बीच के ओवरों में जबरदस्त हिटिंग की, लेकिन कप्तान ने आखिरी समय में कप्तान संभालने से पहले यह पक्का किया कि टीम सही रास्ते पर रहे। भारत ने पांच विकेट पर 249 रन बनाए थे, जिसमें संजु सैमसन ने 41 गेंदों पर 82 और तिलक वर्मा ने 44 और श्रेयस अय्यर ने 40 रन बनाए थे। ईशान ने भी 43 रन की पारी खेली थी।

होनी है आईपीएल की नीलामी

आईपीएल के अगले सीजन के लिए खिलाड़ियों की मिनी नीलामी भारत में होनी। पिछले तीन वर्षों से यह आयोजन देश से बाहर हो रहा था, लेकिन अब ये भारत में ही होगी। पिछले तीन संस्करणों की नीलामी दुबई, जेद्दा (मेगा नीलामी) और आबू धाबी में आयोजित की गई थी।

भारत बनाम वेस्टइंडीज: मयंक यादव को लेकर गावस्कर ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेसी। दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने टीम प्रबंधन के फैसले पर सवाल उठाए हैं। गावस्कर का मानना है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ रांची में खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत ने तेज गेंदबाज मयंक यादव या बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के बजाय कुलदीप यादव को महत्वपूर्ण 17वां ओवर सौंपकर बड़ी गलती की। कुलदीप ने इस ओवर में 24 रन लुटाए, जिसमें तीन छक्के, एक चौका और एक वाइड शामिल थी। इससे 250 रन के लक्ष्य का पीछा कर रहे वेस्टइंडीज का पलड़ा भारी हो गया। वेस्टइंडीज ने यह मैच छह विकेट से जीतकर पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली।

मयंक को लेकर ये बोले सुनील गावस्कर....

गावस्कर ने कहा, मैं 17वें ओवर में अर्शदीप या मयंक में से किसी एक को गेंदबाजी के लिए बुलाता। अर्शदीप ने अपने आखिरी ओवर (18वें ओवर) में खूब रन लुटाए, लेकिन मयंक ने शुरुआती झटके दिए थे। मयंक का इकॉनोमी रेट लगभग 12 रन प्रति ओवर था और उस समय वेस्टइंडीज को इससे अधिक रन चाहिए थे। इसलिए अगर उन्होंने विकेट ले लिया होता तो मैच आपके पक्ष में जा सकता था। गावस्कर का मानना था कि उस महत्वपूर्ण मोड़ पर मयंक का एक और विकेट वेस्टइंडीज पर भारी दबाव डाल सकता था और उसके लिए मुश्किल पैदा कर सकता था। उन्होंने कहा, जब एक बार विकेट मिल जाए तो विपक्षी टीम अचानक बैकफुट पर आ जाती है। एक नए बल्लेबाज को आना पड़ता है। इसलिए उस समय मयंक को आजमाया जाना चाहिए था। इसके अलावा मुझे लगता है कि नौवें ओवर में शिवम दुबे को गेंदबाजी के लिए बुलाना सही फैसला नहीं था। तब बल्लेबाज लय हासिल करने की कोशिश कर रहे थे और इसलिए तब कुलदीप को लाना शायद बेहतर विकल्प होता।वेस्टइंडीज ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज सफलतापूर्वक हासिल किया। क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में सबसे बड़ा रन चेज दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ हासिल किया था, जब टीम ने 259 रन बनाकर जीत दर्ज की थी। टी20 क्रिकेट में यह महज सातवां मौका है, जब किसी मुकाबले में 250 या उससे ज्यादा का रन चेज सफलतापूर्वक किया गया है।

गंभीर ने श्रेयस से पहले शिवम को भेजने का बचाव किया

भारत और वेस्टइंडीज के बीच टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबले में श्रेयस अय्यर से पहले शिवम दुबे को भेजा गया। इस फैसले के लिए गौतम गंभीर को आलोचना का सामना करना पड़ा, लेकिन मैच के बाद भारतीय कोच ने दुबे को अय्यर से पहले भेजने के फैसले का बचाव किया। भारत को इस मैच में हार का सामना करना पड़ा। शिवम दुबे बल्लेबाजी के लिए चौथे नंबर पर आए थे। उन्हें बल्लेबाजी के लिए आने को तैयार कप्तान श्रेयस अय्यर की जगह भेजा गया था। दुबे जब बल्लेबाजी के लिए आए तो स्कोर 11.1 ओवर में 139 रन था। दुबे उम्मीद के अनुरूप बल्लेबाजी नहीं कर सके और 10 गेंदों पर सात रन बनाकर आउट हो गए। इसका असर टीम के कुल स्कोर पर भी पड़ा। दुबे की जगह अगर श्रेयस अय्यर को भेजा गया होता, तो शायद परिणाम कुछ और होता। पहले मैच में शतक लगाने वाले अय्यर ने बाद में आकर 18 गेंदों पर 40 रन की पारी खेली। गौतम गंभीर ने कहा, हमने शिवम को लंबे समय तक ऐसे ही इस्तेमाल किया है, विश्व कप में भी और उससे पहले भी। यह सिर्फ एक बार नहीं हुआ। इस मैच में हमने मोमेंटम खो दिया था। यह इंटरनेशनल क्रिकेट है, कभी-कभी यह आपके हिसाब से होता है, कभी-कभी नहीं। सबसे जरूरी बात हम हमेशा अपनी बैटिंग लाइन-अप के साथ लचीले रहे हैं और हम इसे जारी रखेंगे।



रहाणे ने की 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम को आईपीएल से हटाने की मांग

नई दिल्ली । भारत के पूर्व क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के विवादित 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम की आलोचना की है। रहाणे ने इस नियम को लीग से हटाने की वकालत भी की है। रहाणे उन कई क्रिकेटरों में शामिल हो गए हैं जो इस नियम की आलोचना कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस नियम से भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडर्स का विकास रुक रहा है और यह किसी काम का नहीं है। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर चुके रहाणे ने 'क्रिकबज' से कहा, 'मुझे लगता है कि इसे हटा दिया जाना चाहिए। मुझे याद है कि पिछले साल आईपीएल कप्तानों की बैठक से पहले, ज्यादातर कप्तानों ने कहा था कि उन्हें 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम नहीं चाहिए। मुझे लगता है कि यह नियम या ग्राइंडलाइस 2027 तक लागू है। इसलिए हमें नहीं पता कि वे इसे इस साल हटाएंगे या इस साल के बाद होने वाले बड़े ऑक्शन (नीलामी) में हटाएंगे। हालांकि, असल में मुझे लगता है कि 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम का कोई मतलब या फायदा नहीं है।' रहाणे ने आगे कहा, 'यह नियम भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडर्स के विकास में भी बाधा डाल रहा है, क्योंकि फ्रेंचाइजी बल्लेबाज की जगह गेंदबाज और गेंदबाज की जगह बल्लेबाज को लाकर बल्ले या गेंद से बेहतर

नतीजा पाने की कोशिश करती है।' भारतीय टीम में हार्दिक पांड्या की कमी के कारण टीम को अक्सर उनके विकल्प की तलाश करनी पड़ती है। हालांकि, शिवम दुबे और नीतीश रेड्डी सामने आए हैं, लेकिन वे अभी भी हार्दिक की काबिलियत के स्तर तक नहीं पहुंच पाए हैं। इसके अलावा, भविष्य के लिए बहुत ज्यादा ऑलराउंडर्स तैयार होते नहीं दिख रहे हैं, खासकर तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर्स, जो अब भारतीय क्रिकेट में बहुत कम देखने को मिलते हैं। पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने कहा, 'खासकर आईपीएल में ऑलराउंडर्स खेल से बाहर होते जा रहे हैं। और मेरा पक्का मानना है कि आपको अपने ऑलराउंडर्स को तैयार करना चाहिए। भारतीय टीम के नजरिए से ऑलराउंडर्स बहुत जरूरी हैं। इसी कारण 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम को हटा देना चाहिए। पिछले साल मैं किसी टीम का नाम नहीं लेना चाहता, लेकिन कुछ टीमों शायद 90/7 या 100/7 के स्कोर पर थीं, और इस नियम के चलते एक अतिरिक्त बल्लेबाज को उतारकर उन्होंने 200 रन तक बना लिए थे। यही कारण है कि मुझे लगता है कि गेंदबाजों को कुछ फायदा मिलना चाहिए और ऑलराउंडर्स भी खेल में पूरी तरह शामिल होने चाहिए। उन्हें इसे हटा देना चाहिए।'

भारत दौरे से बाहर हुए न्यूजीलैंड के गेंदबाज विल ओ'रुके



नई दिल्ली । भारत के खिलाफ शुरु होने वाली सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को एक और बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज विल ओ'रुके भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज से बाहर हो चुके हैं। 25 साल के ओ'रुके बाई हेमस्ट्रिंग और पिंडली की चोट से जूझ रहे हैं और फिलहाल रिहैब प्रक्रिया में हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, ओ'रुके को आराम दिया जा रहा है। मैनेजमेंट उन्हें लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता, क्योंकि दिसंबर-जनवरी में टीम को ऑस्ट्रेलिया में चार टेस्ट मैचों की बेहद अहम सीरीज खेलनी है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, 'यह निराशाजनक है कि विल को भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर इतने बड़े दौरे से बाहर होना पड़ा। वह वनडे और टेस्ट दोनों सीरीज में हमारी योजना का हिस्सा थे, लेकिन बातचीत के बाद हम सभी इस बात पर सहमत हुए कि उन्हें चोटों से उबरने के लिए कुछ और समय देना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'अगले कुछ महीनों में हमारे तेज गेंदबाजी संसाधन बहुत जरूरी होंगे, इसलिए हम विल की वापसी का बेहतर तरीका अपना रहे हैं।



वरुण एरोन बोले -गेंदबाजों ने घबराहट में आकर गलतियां कीं

नई दिल्ली । रांची में खेले गए दूसरे टी20 इंटरनेशनल में वेस्टइंडीज द्वारा 250 रन का विशाल लक्ष्य हासिल करने के बाद भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वरुण एरोन ने टीम इंडिया की गेंदबाजी रणनीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब शाई होप और शेरफेन रदरफोर्ड ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए मैच का रुख बदलना शुरू किया, तब भारतीय गेंदबाज अपनी तय योजना से भटक गए। एरोन का मानना है कि भारतीय गेंदबाजों ने सही लाइन और लेंथ पर लगातार गेंदबाजी करने के बजाय बहुत जल्दी अपनी रणनीति बदल दी। उनके मुताबिक, ऐसे हालात में धैर्य बनाए रखना और बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखने के लिए लगातार अच्छी गेंदबाजी करना जरूरी था। वरुण एरोन ने 'जियोस्टार' से कहा, 'शाई होप और रदरफोर्ड ने शानदार खेल दिखाया।



यह लगभग बैटमैन और रॉबिन जैसी साझेदारी थी। शाई होप ने एक छोर संभाले रखा और पारी को स्थिर रखा, जबकि रदरफोर्ड लगातार रन बनाते रहे। उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की, लेकिन भारतीय गेंदबाज शुरुआती चार-पांच ओवरों के बाद सही लेंथ पर गेंदबाजी करना ही भूल गए।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान हॉकी टीम नहीं लेगी हिस्सा

नई दिल्ली । पाकिस्तान हॉकी टीम ने आधिकारिक तौर पर पंजाब में होने वाली पुरुषों की एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 से अपना नाम वापस ले लिया है। जालंधर और मोहाली में 27 अक्टूबर से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह अब बांग्लादेश खेलेगा। पाकिस्तान के सीमा पार यात्रा न करने के फैसले का मतलब है कि एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता और मेजबान भारत का मुकाबला 27 अक्टूबर को टूर्नामेंट के पहले दिन बांग्लादेश से होगा। एशियाई हॉकी महासंघ ने शुक्रवार को इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय टूर्नामेंट का पूरा मैच शेड्यूल जारी किया। यह टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक पंजाब के दो मशहूर हॉकी स्टेडियमों - जालंधर में ओलंपियन सुरजित सिंह हॉकी स्टेडियम और मोहाली में ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम - में खेला जाएगा। मौजूदा चैंपियन भारत और बांग्लादेश के अलावा टूर्नामेंट में भाग लेने वाली अन्य चार टीमों मलेशिया, जापान, साउथ कोरिया और चीन हैं। जापान में एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक सफलतापूर्वक बचाने के बाद, पांच बार की एसीटी विजेता भारतीय टीम शीर्ष वरीयता प्राप्त टीम के रूप में टूर्नामेंट में उतरेगी और प्रतियोगिता में अपने शानदार रिकॉर्ड को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

